जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 1 सितम्बर, 2024

(विज्ञापन)

माफीनामा

कल के विज्ञापन में "थोथे थानेदार" शब्द को "उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे" जैसी ही एक लोकोक्ति के सन्दर्भ में न लेकर बच्चों के माता-पिता के संदर्भ में लिखे हमारे जज्बातों का अनर्थ निकाले जाने से मन काफी व्यथित है। पुलिस विभाग की भूमिका हमारे समाज में अति महत्वपूर्ण है। जब पुलिस जागती है, तब हम सभी सुरक्षित और चैन की नींद सो पाते हैं। उनके सहयोग से ही हमारा व्यापार और समाज सुचारू रूप से चलता है। हमारा उद्देश्य किसी भी प्रकार से पुलिस विभाग या किसी अन्य जनमानस को ठेस पहुंचाने का नहीं था बल्कि संवेदनात्मक व्यापारिक जागरूकता फैलाना था। यदि पुलिस या किसी अन्य जनमानस को इस विज्ञापन से कोई दुःख पहुंचा है, तो हम सहृदय क्षमाप्रार्थी हैं। हम इस विषय पर विराम लगाते हुए पुनः इसके लिए क्षमा चाहते हैं। हमारा मानना है कि पुलिस विभाग की गरिमा सर्वोपरि है, और हम ऐसा कोई व्यापार नहीं चाहते जिससे उनकी प्रतिष्ठा पर किसी भी प्रकार की आँच आए। इसीलिए, हमने इस विषय को विज्ञापन में सबसे प्रमुख स्थान पर रखा है, ताकि हमारा संदेश स्पष्ट हो और किसी तरह का गलत अर्थ न निकाला जाए।

आजकल लोग प्रीमियम लोकेशन के चक्कर में महंगे से महंगे घर खरीद रहे हैं लेकिन जब बात आती है बच्चों के खेलने और उनके संपूर्ण विकास की, तो यह घर एक कंक्रीट के जंगल के अलावा कुछ नहीं है। न आउटडोर गेम्स, न क्लब हाउस, न स्पोर्ट्स एमेनिटीज और न ही जरूरी सुविधाएं—नतीजा ? बच्चे मोबाइल, टैबलेट या लैपटॉप पर ही गेम्स खेलकर अपना बचपन बर्बाद कर रहे हैं। इस डिजिटल दुनिया का असर इतना गहरा हो गया है कि कई बच्चे बिना स्क्रीन देखे खाना तक नहीं खाते, और उनकी माताएँ उन्हें वीडियो दिखाकर खाना खिलाने को मजबूर हैं।

कभी हृष्ट-पुष्ट होने वाले भारतीय बच्चे आज शारीरिक रूप से कमजोर और मानसिक रूप से विकृत हो रहे हैं। यह दुखद है कि शहर की प्रीमियम लोकेशन में रहने और नामी स्कूलों में पढ़ने के बावजूद, वे सम्पूर्ण विकास से वंचित हैं।

आजकल अधिकतर बच्चे लगभग 5-10 साल की कच्ची उम्र में अनजाने में अपनी आँखें फोड़कर ज़िन्दगी भर के लिए चश्में का गिफ्ट ले लेते हैं, जिसके जिम्मेदार इनोसेंट बच्चे नहीं बल्कि उनके माता-पिता हैं, जिन्होने बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की ज़रूरत समझे बिना सिर्फ अपने स्टेटस के लिए या अपनी सुविधा के लिए सिर्फ प्राइम लोकेशन के चक्कर में बिना किसी आउटडोर गेम्स या स्पोर्ट्स एमेनिटीज वाला कंक्रीट का घर लिया था, क्या भरे ट्रैफिक की चिल्ल-पौं में प्राइम लोकेशन पर घर खरीदकर आपको गिनीज बुक में नाम लिखवाना था ?

केडिया सेजस्थान में 60 शानदार सुविधाओं में से 40 सुविधाएं खासतौर पर बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए हैं। यहां आपको वो सब कुछ मिलेगा जो आपके बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए जरूरी है—आउटडोर गेम्स, इंडोर गेम्स, और स्पोर्ट्स सुविधाएं। क्योंकि हम कंक्रीट के जंगल वाला घर नहीं बल्कि एक वाइब्रेंट लाइफस्टाइल बेचते हैं।

AMAZING SETUP FOR KIDS AT KEDIA SEZASTHAN

SPORTS AMENITIES

• BASKET BALL COURT • BADMINTON COURT • SKATING RINK • LAWN TENNIS COURT
• MINI GOLF • CRICKET PRACTICE NET • BOX CRICKET • JOGGING LOOP • CYCLING TRACK

OUTDOOR AMENITIES

• RASHI GARDEN • OPEN AIR THEATRE • WETLAND PARK • KID'S PLAY AREA • SANDPIT
• OPEN GYM • LAP POOL • KID'S POOL • ROOF TOP WALK • MULTI PURPOSE LAWN
• MEDITATION ZONE • VOCATIONAL WORKSHOP SPACE • SENSORY WALK • NATURE TRAIL
• SAVANNA ELEVATED TRAIL • PICNIC POINTS • ADVENTURE PLAY AREA

INDOOR AMENITIES

• TUITION ROOM • LIBRARY • ART AREA • KID'S WORKSHOP AND PLAY AREA
• DISNEY THEME GAME ROOM • CONFERENCE ROOM • GYMNASIUM • YOGA AREA
• CARD AREA • CHESS AREA • CARROM AREA • TABLE TENNIS • BILLIARDS

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

विचार बिन्दु

मनस्वी पुरुष पर्वत के समान ऊँचे और समुद्र के समान गंभीर होते हैं। उनका पार पाना कठिन है। –माघ

हिमाचल की गोद में एक रोमांचक यात्रा

हिमालय की दुर्गम चोटियों और बर्फीली घाटियों की ओर जाने का विचार ही हमें उत्साह से भर देता है। इस बार, मैंने और मेरी पत्नी पुष्पा पाण्डेय ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति की यात्रा का फैसला किया। हमारे साथ इस यात्रा में हमारा बेटा पुष्प दीप पाण्डेय भी था, जो अपनी मोटरसाइकिल पर 2200 किलोमीटर की साहसिक यात्रा पर निकला। इस यात्रा में न केवल हिमालय की अद्वितीय सुंदरता को देखने का अवसर था, बल्कि इस क्षेत्र के अनूठे पर्यावरणीय, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं से भी रूबरू होना था।

जैसे ही हम शिमला की ठंडी हवा और देवदार के पेड़ों के बीच से गुज़रे, मन में रोमांच की एक लहर सी दौड़ गई। शिमला का घना जंगल, जिसमें देवदार, ओक और चीड़ के पेड़ होते हैं, यहाँ के वातावरण को शीतलता और हरियाली से भर देता है। लेकिन जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते गए, इस हरियाली का स्वरूप धीरे-धीरे बदलने लगा। देवदार और ओक के पेड़ों की जगह फर और चीड़ के पेड़ों ने ले ली। यह परिवर्तन ऊँचाई का संकेत था, जहाँ जीवन की परिस्थितियाँ और भी कठिन हो जाती हैं।

शिमला से आगे बढ़ते हुए, करीब 100 किलोमीटर के बाद हमें सेब के बागान दिखाई देने लगे। ये बागान हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हैं। लेकिन इन बागानों के बीच भी हमें यह महसूस हुआ कि जलवायु परिवर्तन के कारण यहाँ के किसान मुश्किल दौर से गुज़र रहे हैं। सेब की खेती में चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं, फिर भी किसानों का आत्मविश्वास और उनकी मेहनत हमें प्रेरित करती रही।

जैसे ही हम पूह की ओर बढ़े, सेब के बागानों ने हमें अपनी सुंदरता से मंत्रमुग्ध कर दिया। पिछली यात्रा में हमने देखा था कि हर पेड़ सेबों से लदा हुआ है, और उनकी लालिमा सूरज की किरणों में चमक रही है। यहाँ के किसान हमें बताते हैं कि हिमाचल प्रदेश भारत के कुल सेब उत्पादन का लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है। लेकिन बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने फसल की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। इस बार की यात्रा में हमने फूलों से लदे सेव के बागान देखे। मज़ा आ गया।

किसानों ने हाई-डेंसिटीप्लांटेशन और ड्रिपइरिगेशन जैसी तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन में सुधार किया है। जब हमने इन किसानों से बात की, तो उनकी चुनौतियों और उनके प्रयासों को सुनकर हम समझ पाए कि इस लाल सोना को उगाने में कितनी मेहनत और धैर्य लगता है। लेकिन इस बीच, बादलों ने आसमान को घेर लिया और अचानक बारिश शुरू हो गई, जिसने हमारी यात्रा को और भी रोमांचक बना दिया।

पूह में रुककर हमने हिमाचल के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया। थुकपा (नूडलसूप) की गर्माहट और मोमोज़ का अनोखा स्वाद ठंडी हवा में बहुत सुकूनदेह था। साथ ही, हमें चंग (तिब्बती बीयर) का स्वाद भी मिला, जो यहाँ की ठंडी जलवायु में शरीर को गर्म रखने का एक पारंपरिक तरीका है।

हमारी यात्रा का सबसे रोमांचक हिस्सा तब शुरू हुआ, जब हम लाहौल और स्पीति घाटियों में प्रवेश करने लगे। चंद्रा और भागा नदियों का साथ हमें उनके बहाव की शक्ति और सुंदरता से रूबरू कराता रहा। चंद्रा और भागा नदियाँ तांदी में मिलकर चंद्रभागा (चेनाब) नदी का निर्माण करती हैं, जो आगे जम्मू और कश्मीर की ओर बहती है। इन नदियों का प्रवाह उन कठिनाइयों का प्रतीक था, जिनका सामना यहाँ के लोग हर दिन करते हैं।

स्पीति नदी, जो इस क्षेत्र की जीवनरेखा है, अपनी शांत धारा के साथ बहती हुई स्पीति घाटी को सींचती है। लेकिन इन नदियों का पानी भी जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभावित हो रहा है। ग्लेशियरों के पिघलने की दर में वृद्धि और बर्फबारी में कमी ने इन नदियों के प्रवाह को कम कर दिया है, जिससे यहाँ के लोगों को जल संकट का सामना करना पड रहा है।

काजा की ओर बढ़ते हुए, रास्ते में अचानक से मौसम बिगड़ गया। बादलों ने घेर लिया और बारिश के साथ बर्फबारी भी शुरू हो गई। रास्ते में ढलान से गिरते पत्थरों ने हमारे दिल की धड़कनें तेज कर दीं। लेकिन हम रुकने वाले नहीं थे। जैसे ही हम काजा पहुँचे, वहाँ का शांत वातावरण और आध्यात्मिकता ने हमारे मन को शांति दी।

हिमालय की गोद में बिताए गए ये पल हमें यह सिखाते हैं कि जीवन का हर पहलू-चाहे वह प्रकृति हो, समाज हो या अर्थव्यवस्था-संतुलन पर आधारित है। और यह संतुलन ही हमें एक स्थायी और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है। जैसे ही हम शिमला की ठंडी हवा और देवदार के पेड़ों के बीच से गुज़रे, मन में रोमांच की एक लहर सी दौड़ गई। शिमला का घना जंगल, जिसमें देवदार, ओक और चीड़ के पेड़ होते हैं, यहाँ के वातावरण को शीतलता और हरियाली से भर देता है।

काजा में स्थित के मठ की ऊँची चट्टान पर स्थित भव्य संरचना देखी। यह मठ तिब्बती बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र है, जो एक हजार साल से अधिक पुराना है और यहाँ की संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। हमने यहाँ के बाजारों में स्थानीय हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, और तिब्बती कला के नमूने देखे, जो यहाँ की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिब्बती नववर्ष के उत्सव के अनुभव भी सुनने को मिले। हमें बताया गया कि गाँवों में एक अद्भुत ऊर्जा और उत्साह का संचार हो जाता है। लोग पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे, मठों में प्रार्थना करने जाते हैं। नाच-गाने और पारंपरिक संगीत के साथ,यह उत्सव हमारी यात्रा को और भी जीवंत बनाता है। लोसर के दौरान लोगों की आस्था और उनके धार्मिक अनुष्ठानों को देखना ऐसा अनुभव होता है, जो आत्मा को गहराई से छू लेता है। इसे अगली बार देखेंगे।

काजा से आगे बढ़ते हुए, हमने नाको का रुख किया। यह छोटा सा गाँव, जिसकी झील समुद्र तल से 3,662 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, हमें एक अलग ही दुनिया में ले आया। नाको झील का पानी इतना साफ और शांत था कि उसमें आकाश का पूरा प्रतिबिंब देखा जा सकता था।

यहाँ का वातावरण इतना शांत और पवित्र था कि हमने कुछ समय यहाँ की शांति का आनंद लेते हुए बिताया। लेकिन इस क्षेत्र में भू-स्खलन और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियाँ भी हैं, जिनसे इस प्राकृतिक धरोहर को खतरा हो सकता है। नाको की इस यात्रा ने हमें हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता का गहरा अनुभव कराया, लेकिन साथ ही इन स्थानों के संरक्षण की आवश्यकता का भी एहसास दिलाया।

लाहौल और स्पीति के इस कोल्डडेजर्ट क्षेत्र में स्थित पिनवैली नेशनल पार्क एक और प्रमुख आकर्षण है। यह नेशनल पार्क 675 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और यहाँ की वनस्पति और जैव-विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के वन्यजीवों में स्नोलेपर्ड (हिम तेंदुआ), साईबेरियनआईबेक्स, तिब्बती वुल्फ और हिमालयीमार्मोट प्रमुख हैं।

पिनवैली में यात्रा करते समय हमें इस क्षेत्र की अनूठी वनस्पति भी देखने को मिली। यहाँ की वनस्पति में सीबक्कथोर्न प्रमुख है, जो इस क्षेत्र की कठोर परिस्थितियों में जीवित रहती है। इस पौधे के फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं और इसका उपयोग औषधीय उत्पादों और स्वास्थ्य वर्धक पेय बनाने में किया जाता है। यहाँ के लोग इसे लेह बेरी के नाम से जानते हैं और इसका उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में भी करते हैं।

नाको की यात्रा के दौरान हमें कई छोटे और बड़े झरनों का भी अनुभव हुआ, जो हिमालय के हृदय से निकलते हैं और इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। इन झरनों का पानी बर्फ की तरह ठंडा था, जो सीधे हिमालय की बर्फ से पिघलकर आता है।

इन झरनों के बीच, हम चांगो झरना पहुँचे, जो नाको के निकट स्थित है। यह झरना न केवल पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए जल का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत भी है। लेकिन यह भी ध्यान देने योग्य है कि इन झरनों का प्रवाह भी जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभावित हो रहा है, जिससे इस क्षेत्र के जल स्त्रोतों पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

पिनवैली में रात गुज़ारना एक और अद्भुत अनुभव था। हिमालय की ऊँचाइयों पर, ठंडी रात में जब आसमान तारों से भरा हुआ था, हमने एक अद्वितीय शांति का अनुभव किया। यहाँ की रातें इतनी शांत होती हैं कि बस प्रकृति की हल्की आवाज़ें ही सुनाई देती हैं। हम सभी ने ठंडी रात में आग जलाकर गरमागरम चाय पी और आसमान में बिखरे तारों को निहारते हुए इस बात का एहसास किया कि हम कितने भाग्यशाली हैं, जो इस अद्वितीय स्थान पर हैं।

इस यात्रा के दौरान हमें कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। जैसे कि अचानक मौसम का बदलना और सड़कों की खराब हालत। ऊँचाई के कारण साँस लेने में भी कभी-कभी परेशानी होती थी। एक बार, ढलान से गिरते पत्थरों के कारण हमें कुछ समय के लिए रुकना पड़ा। लेकिन इन सभी चुनौतियों ने हमें यह सिखाया कि हिमालय की यात्रा केवल एक पर्यटन यात्रा नहीं होती, बल्कि यह एक जीवन का पाठ भी है, जहाँ हर कदम पर आपको अपनी धैर्य और संकल्प की परीक्षा देनी होती है।

पूह, काजा, और नाको जैसे इलाकों में पर्यटन बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को तो फायदा हो रहा है, लेकिन पर्यावरण पर इसका नकारात्मक प्रभाव भी पड़ रहा है। 2018 में, हिमाचल प्रदेश में पर्यटकों की संख्या 1.7 करोड़ तक पहुँच गई थी, जो राज्य की आबादी से अधिक है।

पर्यटन से होने वाले लाभों के साथ-साथ इसके नकारात्मक प्रभावों का भी ध्यान रखना आवश्यक है। अधिक पर्यटकों के आने से कचरे की समस्या बढ़ रही है, और स्थानीय संसाधनों पर दबाव भी बढ़ रहा है। इसके अलावा, इन इलाकों में हो रहे निर्माण कार्य और सड़क विस्तार भी पर्यावरण के लिए एक चुनौती बने हुए हैं। हमारी इस यात्रा का अंत हुआ। हमने अपने घर की ओर रुख किया। यह यात्रा न केवल हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता को देखने का अवसर थी, बल्कि एक ऐसा अनुभव भी थी, जिसने हमें इस क्षेत्र के पर्यावरणीय, सामाजिक, और आर्थिक पहलुओं से गहराई से परिचित कराया। हिमालय की गोद में बिताए गए ये पल हमें यह सिखाते हैं कि जीवन का हर पहलू-चाहे वह प्रकृति हो, समाज हो या अर्थव्यवस्था-संतुलन पर आधारित है। और यह संतुलन ही हमें एक स्थायी और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

सरकार स्वयं अतिक्रमण में लिप्त; राजकीय भूमि का संरक्षण कैसे होगा

सुचित्रा आर्य

आबादी क्षेत्र विस्तार आज के समय की प्राथमिक आवश्यकता है लेकिन सरकारें इतने संवेदनशील मुद्दे पर उदासीन है। वहीं राजनैतिक दलों को जमीन आवंटन को लेकर सरकारों में जबरदस्त स्फूर्ति देखने को मिलेगी। आज़ादी के बाद जनसंख्या 4 गुना बढ़ी है लेकिन अधिकांश ग्राम पंचायतों का आबादी क्षेत्र यथावत पड़ा है अपवाद स्वरूप आंशिक क्षेत्र को छोड़कर आबादी विस्तार नगण्य ही है। आवासीय भूमि की अनुपलब्धता अतिक्रमण को बढ़ावा देती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन परिवारों के पास राजकीय भूमि के अतिक्रमण के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प ही नहीं है। वे स्थाई आवासीय पट्टे नहीं होने के चलते सरकार की योजनाओं से भी वंचित रहते हैं। उन्हें दोहरी मार पड़ रही है; अभावग्रस्त जीवन में अभाव ही अभाव।

अतिक्रमण को लेकर जो विगत कार्यवाही हुई है वो अव्यवहारिक, अस्पष्ट थी! उनमें बड़ा लक्ष्य एवं दृष्टीकोण नजर नहीं आएगा। अधिकांश कार्यवाहियों में कोर्ट आदेशों की पालना कर प्रशासनिक राहत पाने तक ही सीमित थी। सरकार का स्वभाविक दायित्व भी बनता है कि वह राजकीय भूमि को संरक्षण प्रदान करे लेकिन सरकार स्वयं ही अतिक्रमण करें तो वो किस मुँह से राजकीय भूमि के संरक्षण का दावा कर सकती है?

आज की तारीख़ में यदि कब्जे शुदा भूमि का भौतिक सत्यापन होगा तो तक़रीबन 20 प्रतिशत भूमि ऐसी निकलेगी जहाँ सरकार के स्वयं का अतिक्रमण है। अधिकांश ग्राम पंचायतों के राजकीय संस्थान जैसे अस्पताल, विद्यालय, सहकारी समिति कार्यालय, नंदीशाला इत्यादि। जैसे संस्थान गोचर, जोड़ पायतन पर अतिक्रमण शुदा मिलेंगे। बिना भौतिक सत्यापन के जनता के टैक्स के पैसे से राजकीय भवनों को विधि विरुद्ध अनाधिकृत जमीन पर खड़ा कर दिया जिनका भविष्य अंधकार मय है! विडंबना देखिए सरकार के पास लैंड रिकॉर्ड, भरपूर मानवीय संसाधन, मशीनरी है इसके बावजूद इतने बड़े पैमाने पर अनाधिकृत भवन खड़े कर दिए। क्या सरकारों का ये कृत्य गैर कानूनी नहीं है? जब सरकारे ही ग़ैर कानूनी कार्य को अंजाम दे रही है तो कानून की पालना का आम आदमी पर विपरीत प्रभाव ही पड़ेगा। विगत वर्षों का अध्ययन करेंगे तो पायेंगे अतिक्रमण की अधिकांश कार्यवाही रास्ते और मार्ग अवरुद्ध सबंधी ही की गई है जो कि आमजन के आवागमन को सुचारू और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए अति आवश्यक भी है। आवासीय अतिक्रमण के मामले प्रत्येक ग्राम पंचायत में मिलेंगे जहां कुछ जगह पंचायत की भूमि पर अतिक्रमण है, कुछ जगह गोचर भूमि है, कुछ जगह वन भूमि हैं (जिनमे सबसे सर्वाधिक पेचीदगिया है) मामलों के तह तक जाएँगे तो पाएंगे कि यही वन भूमि 1998-99 से पूर्व ग्राम पंचायत की या गोचर/ओरण भूमि थी लेकिन तत्कालीन सरकार ने प्रारम्भिक तौर पर ये मानते हुवे कि ग्राम पंचायत की जमीन को अस्थाई रूप से वन विभाग के अधीन कर दिया था कि जोड़पायतन, गोचर, सिवायचक के डवलपमेंट पर ग्राम पंचायतें ध्यान नहीं दे रही है जिसके चलते एक बड़ी भूमि बंजर और विरान पड़ी है। हालांकि ये कार्य बिना भौतिक सत्यापन हुआ जिसके चलते अधिकांश ग्राम पंचायतों का कुछ हिस्सा जिस पर लोगों की पहले से बसावट थी वो हिस्सा भी वन विभाग के अधीन हो गया जिसे प्रशासनिक लापरवाही कहे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। जिसका खामियाज़ा आज लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

इसके अलावा बसावट के अतिरिक्त वृक्षारोपण और डवलपमेंट की जिस मंशा से वन विभाग के अधीन किया गया था वो ज़मीन आज 25-30 वर्ष गुजरने के बाद भी बंजर और विरान पड़ी है। सरकार को ऐसी ज़मीन को चिन्हित करना चाहिए जहाँ आबादी पहले बसी बाद में वन भूमि में रूपांतरित किया गया था क्योंकी अधिकांश घर टूटने के मसले भी इसी से सबंधित निकलेंगे। इन मसलों के समाधान के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाशने होंगे जैसे वैकल्पिक राजकीय भूमि को रूपांतरित करके कुछ निश्चित मानक तय करके आबादी भूमि का विस्तार करते हुवे यथा सम्भव लोगों के घरों को टूटने से बचाया जा सकता है। व्यवसायिक अतिक्रमण भी बड़ी चुनौती है राजनैतिक संरक्षण की पनाह में बेतहाशा बढ़ा है; जो कि सरकारी संपति का दुरुपयोग है। सरकार स्वयं अतिक्रमण में लिप्त है तो ऐसे में राजकीय भूमि का संरक्षण कैसे होगा?

सरकार को राजकीय भूमि के संरक्षण के लिए प्रदेशव्यापी भौतिक सत्यापन करना चाहिए जिसमें ये चिन्हित करे कि अतिक्रमण किस श्रेणी का है। अतिक्रमण रिहायशी है, व्यवसायिक है या सरकारी है या फिर रास्ते अवरुद्ध अतिक्रमण है। इसे अलग अलग चिन्हित करने से राजकीय भूमि को संरक्षण प्रदान करने में मदद मिल सकेगी। आबादी भूमि विस्तार नीति की भी आवश्यकता है जिसमें निश्चित मानक स्थापित करके जनसंख्या के अनुपात में आबादी क्षेत्र का विस्तार हो जिसमें आमजन की आर्थिक स्थिति के अनुपात में भी आवासीय सुरक्षा एवं सुनिश्चता परिलक्षित हो।

–सुचित्रा आर्य,
(पूर्व विधायक)

मालपुरा में बेसकीमती जमीनों को पालिका सफाई ठेकेदार ने डम्पिंग यार्ड बनाया

सफाई ठेकेदार द्वारा कचरे की आड़ में भूमाफियाओं को पनपाने का प्रयास किया जा रहा है

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहर से रोजाना बड़ी तादात में एकत्रित किये जा रहे सूखे व गीले कचरे को एकत्रित कर सफाई ठेकेदार द्वारा पालिका के अधिकृत डम्पिंग यार्ड में डालने के बजाय शहर की प्रमुख सड़कों के किनारे रिक्त पड़ी करोड़ों रूपयों की बेसकीमती जमीनों पर कचरे के ढेर लगाने से शहर का सौन्दर्यकरण तो बदरंग हो ही रहा है साथ ही कचरे की आड़ में भूमाफियाओं को पनपाने का प्रयास किया जा रहा है।

शहर के 35 वार्डों से प्रतिदिन दर्जनों ऑटोकीपर व ट्रैक्टरों के माध्यम से कचरा संग्रह कर टोडारोड के पास कल्याणपुरा रोड पर पालिका की तकरीबन 20 बीघा जमीन पर आरक्षित डम्पिंग यार्ड में कचरा डालने का प्रावधान है, लेकिन सफाई ठेकेदार निश्चित स्थान पर कचरे को डालने के बजाय भूमाफियाओं से मिलकर मुख्य सड़क किनारे कचरे के ढेर लगा गड्ढों में तब्दील जमीन का समतलीकरण करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सूत्रों की माने तो ऑटोकीपर व ट्रैक्टरों में डीजल की खपत उतनी ही दर्शाई जा रही है जितनी कल्याणपुरा रोड पर डम्पिंग यार्ड तक के वाहनों के फेरों में लगता है। सफाई ठेकेदार व वाहन चालक एक तीर से दो शिकार कर रहा है। राजकोष से प्रतिमाह वाहनों में डीजल के नाम पर लाखों रूपयों का खर्च दर्शाया जा रहा है।

मालपुरा शहर के अजमेर रोड पर मुख्य सड़क किनारे करोड़ों रूपये की बेसकिमती जमीन पर कचरा डाला जा रहा है।

- **पालिका की तकरीबन 20 बीघा जमीन पर आरक्षित डम्पिंग यार्ड में कचरा डालने का प्रावधान है**
- **कचरे के ढेर से उठती दुर्गन्ध से राहगीरों का निकलना भी मुश्किल हो रहा है**

अजमेर रोड पर मुख्य सड़क किनारे बड़े भाग में रिक्त पड़ी करोड़ों की जमीन पर डाले जा रहे कचरे के ढेर अब सड़क पर फैल गये है, जिनसे उठती दुर्गन्ध से राहगीरों का निकलना भी मुश्किल हो रहा है। कई भूमाफिया इस जमीन पर अपनी गतिविधियां शुरू कर रहे हैं। कमोबेस यही हाल घाटी रोड, केकडी रोड, गुर्जर छात्रावास के पास, सरकारी अस्पताल के पिछवाड़े का है, जहां भी सरकारी जमीन पर अनाधिकृत रूप से कचरा डालकर शहर का सौन्दर्य बिगाड़ा जा रहा है। इन कचरे के ढेरों की आड़ में भूमाफिया अपने नापाक मनसुबों को अंजाम दे रहे हैं। पालिका में पिछले आठ महीनों से स्थाई ईओ पदस्थापित नहीं होने तथा अन्य पदों पर भी जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति नहीं होने के चलते शहर की व्यवस्थाएं चरमरा रही है। वहीं शहर में सरकारी जमीनों पर अंधाधुंध कब्जे व निर्माण की भी गतिविधियां चल रही है।

कार्यशाला में ट्रांसजेंडर को नए कानूनों की जानकारी दी

अजमेर, (कासं)। ट्रांसजेंडर के अधिकारों पर शनिवार को पुलिस लाइन सभागार में कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में अजमेर रेंज के पुलिस अधिकारी, थाना अधिकारी और ट्रांसजेंडर नोडल ऑफिसर सहित अजमेर के ट्रांसजेंडरों ने भाग लिया।

एसपी देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि पुलिस में आयोजित ट्रांसजेंडर कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को समान अधिकार प्रदान करना और भेदभाव को समाप्त करने के लिए नए नियम और कानूनों की जानकारी प्रदान करना रहा। एसपी ने बताया कि कार्यशाला में अधिकारियों को ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और उन्हें मौजूदा कानूनी प्रावधानों से अवगत कराने पर बल दिया गया। एसपी विश्नोई ने कहा कि इस पहल से समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करने के प्रयास को और मजबूती मिलेगी। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों ने सरकार के स्तर पर किए जा रहे प्रयास, इनके लिए सरकार की योजनाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। ट्रांसजेंडर बच्चों की पढ़ाई पर चर्चा की गई। नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने बताया कि सरकार की ओर से उन्हें ओबीसी का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्कूली शिक्षा प्रदान करें, ताकि बड़े होकर वह भी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

- **ट्रांसजेंडर के अधिकारों पर कार्यशाला का आयोजन**

ट्रांसजेंडर से किया संवाद :-

कार्यशाला के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ट्रांसजेंडर से संवाद भी किया। उनकी समस्याओं को सुना गया। ट्रांसजेंडर ने बताया कि समाज में कई तरह के लोग हैं, कोई उन्हें गलत नजर से देखता है और भद्दे कमेंट्स करते हैं, लेकिन कई ऐसे भी लोग हैं जो उन्हें सम्मान देते हैं। ट्रांसजेंडर ने कहा कि समाज में परिवारों को समझना होगा कि यदि उनके घर में कोई ट्रांसजेंडर बच्चा है तो उसे समाज से छुपाकर नहीं रखें। उनके पास ऐसे बच्चे 14 से 15 साल की उम्र में आते हैं, ऐसे में उनकी शिक्षा प्रभावित होती है।

आवारा श्वानों के आतंक से लोग परेशान

पाटन, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत रायपुर-पाटन में आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान ग्रामीण शनिवार को मुख्य बाजार बंद कर सड़क पर धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे ग्रामीण प्रशासन से आवारा कुत्तों से निजात दिलाने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का कहना है गांव में आवारा कुत्तों का बहुत ज्यादा आतंक है। आए दिन आवारा कुत्ते लोगों को काटते रहते हैं। कुछ दिन पूर्व ही करीब 20 लोगों को एक साथ कुत्तों ने काट लिया था, जिसमें दो घायल लोगों की उपचार के दौरान मौत हो चुकी है। कुत्ते के काटने से एक गाय भी भडक गई है, जिससे ग्रामीणों में भी भय बना हुआ है।

राशिफल रविवार 1 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, अश्लेषा नक्षत्र रात्रि 9:49 तक, परिद्य योग सांय 5:50 तक, विष्टि करण रात्रि 4:31 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 9:49 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग रात्रि 9:49 से सूर्योदय तक है। भद्रा सांय 4:31 से आरम्भ होगी। आज मास शिवरात्रि, अघोरा चतुरदशी व्रत है। आज जैन पयुर्षण आरम्भ (पंचमी पक्ष) होंगे और आज प्रथम प्रकाश उत्सव गुरू ग्रन्थ साहिब है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:44 से 9:18 तक, लाभ-अमृत 9:18 से 12:27 तक, शुभ 2:01 से 3:35 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:10, सूर्यास्त 6:44

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कुंभ

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मीन

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 33 प्रभात अजमेर, रविवार 1 सितम्बर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

कमला हैरिस ने ट्रम्प पर चार पॉइन्ट्स की लीड स्थापित की

रॉयटर द्वारा कराये गये सर्वे के अनुसार, राष्ट्रपति पद पर 45 प्रतिशत लोग कमला हैरिस को देखना चाहते हैं तथा 41 प्रतिशत ट्रम्प को

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प पर बढ़त ले ली है। यह जानकारी मिली रॉयटर्स/इप्सॉस पोल के सप्ताहांत में नतीजों से। नतीजों के अनुसार, कमला को 45 प्रतिशत डॉनल्ड ट्रम्प को 41 प्रतिशत वोट मिले हैं। आठ दिन चला यह सर्वे शुक्रवार को ही खत्म हुआ है। इसके अनुसार, जुलाई के अंत में हैरिस को मिली एक पॉइन्ट की बढ़त के मुकाबले यह उल्लेखनीय बढ़त है। हैरिस को जो बढ़त मिल रही है उसके लिए महिलाओं और हिस्पैनिक मतदाताओं का बढ़ता समर्थन है। इन दोनों समूहों में उनकी लोकप्रियता ट्रम्प से 13 प्रतिशत अधिक है। दोनों समूहों में उनकी लोकप्रियता 49 से 36 प्रतिशत है। नवीनतम सर्वे के अनुसार महिलाओं में उनकी लोकप्रियता 9 प्रतिशत तक और हिस्पैनिक मतदाताओं में 6 प्रतिशत तक बढ़ी है, हालांकि श्वेत मतदाताओं और पुरूषों में ट्रम्प अभी भी आगे हैं, पर कॉलेज डिग्री रहित युवाओं में उनकी लोकप्रियता 7 पॉइन्ट घटी है।

- जुलाई के अन्त में कराये गये सर्वे में, कमला हैरिस की ''लीड'' केवल एक प्रतिशत थी।
- हैरिस की लीड में इतनी भारी बढ़ोतरी होने का कारण है, कमला हैरिस की लोकप्रियता में महिलाओं और हिस्पैनिक लोगों का समर्थन 13 प्रतिशत बढ़ा है, गत महीने के सर्वे रिज़ल्ट की तुलना में।
- इस सर्वे में अमेरिका के 4253 नागरिकों से तथा चुनाव में वोट देने के लिये रजिस्टर्ड 3562 अमेरिकी नागरिकों से यह सवाल पूछकर कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में वोट किसकों देंगे, उनकी राय जानी गयी थी।

जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की चुनावी दौड़ से बाहर होने के बाद से हालात में काफी परिवर्तन आया है। बाइडन के पीछे हटने के बाद हैरिस को राष्ट्रीय स्तर पर और प्रमुख राज्यों के चुनावों में काफी बढ़त मिली है। विस्कॉन्सिन, पैनसिल्वेनिया, जॉर्जिया, एरिज़ोना, नॉर्थ कैरोलाइना, मिशीगन और नेवाडा जैसे राज्यों में जहाँ कड़ा मुकाबला है वहाँ रजिस्टर्ड वोटर्स में ट्रम्प को हैरिस पर मामूली सी बढ़त प्राप्त है। लेकिन ब्लूमबर्ग न्यूज़/मॉर्निंग कंसल्ट पोल से पता चलता है कि यहां पर तो हैरिस आगे चल रही हैं या ट्रम्प के बराबर हैं।

रिपब्लिकन नीतिकार मैट वॉल्किंग ने माना कि हैरिस से ट्रम्प को कड़ी चुनौती मिल रही है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प के लिए महत्वपूर्ण है कि वोटर्स का समर्थन बनाए रखने के लिए व चुनाव प्रचार रणनीति पर फोकस करें।

जब से हैरिस को डैमोक्रैटिक पार्टी ने राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है तब से वे जॉर्जिया जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में सक्रिय चुनाव अभियान चला रही है ताकि उनका जनाधार मजबूत हो जाए।

हैरिस के लिए जनता में उत्साह साफ नज़र आ रहा है। रॉयटर्स/इप्सॉस सर्वे में शामिल 73 प्रतिशत डैमोक्रैटिक वोटर्स ने कहा कि नवम्बर में होने वाली वोटिंग के प्रति उनका उत्साह बढ़ गया है। प्रगतिवादी सोच के मतदाताओं में ट्रम्प की तुलना में हैरिस का असर ज्यादा है। हैरिस के 52 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा कि उनका लक्ष्य ट्रम्प का विरोध करने से कहीं ज्यादा हैरिस को मजबूत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साइबर फ्रॉड केस में पुलिस को अल्टीमेटम

जयपुर, 31 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर फ्रॉड के ढाई साल पुराने मामले में कार्रवाई नहीं होने और इन केसों में हो रही बढोतरी को गंभीर माना है। अदालत ने मौखिक रूप से राज्य सरकार को कहा कि जब सी.जे.आई. के साथ ही साइबर फ्रॉड हो चुका है तो फिर पुलिस ऐसे मामलों में इतनी लापरवाह कैसे हो सकती है।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने कहा, सी.जे.आई. तक के साथ साइबर फ्रॉड हो चुका है फिर भी पुलिस इतनी लापरवाह क्यों है। कोर्ट ने 60 लाख रूपए के साइबर फ्रॉड मामले में पुलिस को 30 दिन में कार्यवाही करने का अल्टीमेटम दिया।

अदालत ने पुलिस को कहा है कि यदि 30 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो 30 सितंबर को डी.जी.पी. व्यक्तिगत तौर पर अदालत में हाजिर होकर इस संबंध में स्पष्टीकरण दें। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश 60 लाख रुपए के साइबर फ्रॉड के मामले में राकेश तोतुका की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामला वर्ष 2022 से चल रहा है, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी के स्वघोषित हनुमान संकट में हैं बिहार में?

क्या भाजपा, अपने एन.डी.ए. गठबंधन के साथी चिराग पासवान के पर कुतरना चाहती है?

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वघोषित हनुमान संकट में दिखाई दे रहे हैं।

राकेश कुमार सिंह नामक एक व्यक्ति, जो उड़ती खबरों के अनुसार भाजपा कार्यकर्ता हैं, ने एक याचिका लगाई है तथा चुनाव आयोग में भी शिकायत की है। उन्होंने तीन गंभीर आरोप लगाये हैं- पहली, वे (चिराग) एक दुष्कर्म केस में द्वितीय आरोपी हैं, दूसरी, उन्होंने अपने चुनाव-शपथपत्र में अपनी इंजीनियरिंग डिग्री के बारे में झूठ बोला था; तथा तीसरी, उन्होंने बिहार के खगरिया जिले की अपनी सम्पत्ति के स्वामित्व की बात छुपाई थी। बिहार भाजपा के मीडिया प्रवक्ता ने स्पष्टीकरण देते हुये कहा है कि याचिकाकर्ता का भाजपा से कोई सम्बंध नहीं है। लेकिन चिराग की पार्टी और भाजपा के बीच पैदा हो रहे इस संकट का परिदृश्य काफी बड़ा दिखाई दे रहा है।

- भाजपा के एक तथाकथित कार्यकर्ता ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करायी है कि चिराग पासवान ने चुनाव लड़ने से पहले जो शपथ पत्र के माध्यम से जानकारियाँ प्रस्तुत की हैं, झूठ हैं, असत्य हैं।
- साथ ही भाजपा विधायक मुकेश रोशन ने दावा किया कि चिराग पासवान की पार्टी के पाँच निर्वाचित सांसदों में से तीन ''जॉइन'' करने को तैयार हैं।
- इस घटनाक्रम के बीच चिराग पासवान के मुख्य प्रतिद्वंदी तथा चिराग के चाचा पशुपति नाथ पारस अचानक सक्रिय हुए और दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से उनके घर पर मिले तथा शाह को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया।
- क्या ये संकेत है कि भाजपा खुश नहीं कि चिराग पासवान एन.डी.ए. के खिलाफ सबसे अधिक बोलने वाले नेता के रूप उभर रहे हैं। अतः उन्हें जमीन पर उतारना जरूरी है।

एन.डी.ए. के सभी घटक दलों में, चिराग केन्द्र सरकार के हाल ही के नीतिगत निर्णयों के सर्वाधिक मुखर विरोधी रहे हैं। इन नीतियों में, वक्फ बिल में प्रस्तावित संशोधन, तथा नौकरशाही में सीधी एवं स्वैच्छिक भर्ती करने की योजना, जो अब वापस ले ली गई है, प्रमुख रुप से शामिल हैं। चिराग विपक्ष द्वारा की जा रही जातिगत जनगणना की माँग के समर्थन में भी आ गये थे। इन सभी मुद्दों पर सरकार द्वारा अपने कदम पीछे हटा लेने के साथ ही, भाजपा में एक सोच यह भी बनी है कि चिराग अपने कद से कुछ ज्यादा ही बाहर निकल रहे हैं तथा उन्हें रोकने की जरुरत है।

हाल ही के दिनों में, बिहार के एन.डी.ए. पार्टनरों में बड़ी तेजी से कुछ हलचल होती दिखाई दी है। चिराग के चाचा तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री पशुपति नाथ पारस गुमनामी से एकाएक ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

8 सितम्बर को 3 दिन के अमेरिका दौरे पर जाएंगे राहुल गांधी

विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल की यह पहली अमेरिका यात्रा होगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले विदेश दौरे में राहुल गांधी अमेरिका जा रहे हैं। वे 8 से 10 सितम्बर तक अमेरिका में रहेंगे। इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस ने कहा कि जब से राहुल गांधी विपक्ष के नेता बने हैं तब से उनके पास बहुत सारे आवेदन आ रहे है, जिनमें राहुल गांधी से मिलने का आग्रह किया गया है।

गांधी 8 सितम्बर को डलास, टैक्सस में रहेंगे तथा 9 व 10 सितम्बर को वॉशिंगटन डी.सी. में रहेंगे।

इस दौरान वे शिक्षाविदों, पत्रकारों, थिंक टैंक्स के प्रतिनिधियों टैक्नोक्रेट्स, व्यवसायियों व भारतीय मूल के अन्य लोगों व स्थानीय लोगों से मिलेंगे।

इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस जिसकी उपस्थिति 32 देशों में है, के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने राहुल की यात्रा की औपचारिक घोषणा करते हुए बताया कि जब से राहुल गांधी विपक्ष के नेता बने हैं, मेरे पास भारतीय मूल के लोगों, इंटरनैशनल मीडिया व अन्य नेताओं की तरफ से आवेदनों की भरमार लगी है। वे सभी राहुल से बात करना चाहते हैं। अब राहुल संक्षिप्त दौरे पर अमेरिका आ रहे हैं।

- इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि जब से राहुल विपक्ष के नेता बने हैं, उनसे मिलने के लिए हमारे पास अनगिनत आवेदन आए हैं।
- पित्रोदा ने कहा कि तीन दिन के प्रवास में राहुल गांधी शिक्षाविदों, पत्रकारों, उद्योगपतियों, भारतीय मूल के लोगों व छात्रों के साथ मुलाकात करेंगे तथा विभिन्न मसलों पर चर्चा करेंगे।

डलास में गांधी युनिवर्सिटी ऑफ टैक्सस के छात्रों, शिक्षाविदों व अन्य लोगों से वार्ता करेंगे।

कुछ टैक्नाफ्रेटस से भी चर्चा होगी और रात्रि भोज पर इलास के नेताओं से मिलेंगे।

वॉशिंगटन में वे थिंक टैक और नैशनल प्रैस क्लब व अन्य लोगों से मिलेंगे।

पित्रोदा ने बताया कि कई लोगों के साथ मुलाकात करेंगे। लोगों को उन राज्यों में भी काफी रूचि है जहाँ कांग्रेस का शासन है। खासकर बैंगलुरु, हैदराबाद और उम्मीद है कि हम महाराष्ट्र भी जीतेंगे क्योंकि लोगों को पुणे, मुम्बई व गुड़गांव में भी दिलचस्पी है।

ये देश के बिज़नैस शहर हैं जहाँ टैक्नॉलजी पर काफी फोकस है।

पित्रोदा ने कहा कि हम राहुल गांधी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू.डी.एच. सचिव और डी.एल.बी. निदेशक को अवमानना नोटिस

जयपुर, 31 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने डिप्टी टाउन प्लानर के निलंबन से जुडे मामले में करीब एक साल पुराने अदालती आदेश की पालन नहीं करने पर प्रमुख यू.डी.एच. सचिव टी.रविकांत व डी.एल.बी. निदेशक सुरेश ओला को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश राजपाल चौधरी की अवमानना याचिका पर दिया।

- हाई कोर्ट ने अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर अवमानना नोटिस जारी किया और जवाब मांगा है।

याचिका में अधिवक्ता दिनेश यादव ने बताया कि याचिकाकर्ता डी.एल.बी. में डिप्टी टाउन प्लानर के पद पर कार्यरत था। इस दौरान उन्हें बिना नाम व पते वाली झूठी शिकायत पर 13 फरवरी 2023 को चार्जशीट देते हुए निलंबित कर दिया। चार्जशीट भी उस अफसर ने दी जिसे देने का अधिकार नहीं था। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देने पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव की तिथि एक अक्टूबर से बदलकर 5 अक्टूबर की

कांग्रेस और आप का कहना है, यह संकेत है कि हरियाणा में भाजपा हतोत्साहित है और अभी से अपनी गलती स्वीकार कर रही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। भाजपा की इच्छा की सुस्पष्ट अनुपालना में, भारत के चुनाव आयोग ने आज हरियाणा विधानसभा चुनाव की मतदान-तिथि 1 अक्टूबर से खिसका कर 5 अक्टूबर कर दी।

जम्मू-कश्मीर के तृतीय चरण की मतदान तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, वह 1 अक्टूबर ही बनी हुई है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर दोनों ही राज्यों के चुनाव परिणाम 8 अक्टूबर को घोषित होंगे।

चुनाव आयोग ने एक अधिसूचना में कहा, ''चुनाव तिथि निर्धारण के बाद, राष्ट्रीय राजनैतिक दलों, प्रांतीय राजनैतिक दलों, तथा अखिल भारतीय विश्नोई महासभा के आग्रह-पत्र प्राप्त हुये थे, जिनमें कहा गया था कि सदियों पुराने असोज अमावस्या त्योहार पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिये विश्नोई समुदाय के लोग बहुत बड़ी संख्या में हरियाणा से राजस्थान जायेंगे।''

- चुनाव आयोग ने कहा है कि चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने का कारण है कि, ऑल इंडिया विश्नोई महासभा का ज्ञापन मिला था कि सदियों पुराने त्योहार आसोज अमावस्या पर हरियाणा के विश्नोई राजस्थान जाते हैं, ऐसे में उनका वोट डालना संभव नहीं हो पाएगा।
- चुनाव आयोग ने एक और कारण यह बताया कि, सप्ताहांत के साथ कई छुट्टियाँ होने के कारण लोग प्रायः घूमने निकल जाते हैं।
- चुनाव आयोग ने कहा, इन कारणों से मतदान प्रतिशत में भारी कमी आ जाती इसलिए हरियाणा के चुनाव आगे सरकाए गए हैं।

ई.सी. की अधिसूचना में कहा गया है, ''पूर्व निर्धारित तिथि पर मतदान होने से बड़ी संख्या में लोग अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाते तथा हरियाणा विधानसभा चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी कम हो जाती।''

24 अगस्त को हरियाणा भाजपा की 'राज्य चुनाव प्रबन्धन समिति' के सदस्य वरिन्दर गर्ग ने कहा था, ''हमने यह तर्क दिया है कि विधानसभा चुनाव की तिथि 1 अक्टूबर (मंगलवार) के पहले सप्ताहान्त अवकाश तथा बाद में भी छुट्टियाँ हैं, जिससे मतदान - प्रतिशतता प्रभावित हो सकती है क्योंकि लोग लम्बे सप्ताहान्त अवकाशों पर प्रायः छुट्टियाँ ले लेते हैं।''

विपक्षी कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी ने इस कार्यवाही की आलोचना की है। पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस नेता भूपिन्दर सिंह हूडा ने भाजपा पर प्रहार करते हुये कहा है कि पार्टी का रुख बताता है कि उसने पराजय पहले ही स्वीकार कर ली है। मीडिया ने इस वरिष्ठ नेता को यह कहते हुये उद्धृत किया है, ''मतदान ई.सी. द्वारा निर्धारित तिथि के अनुसार ही होने चाहिये।.....हरियाणा की जनता भाजपा सरकार को एक दिन भी सत्ता में देखना नहीं चाहती।''

आप की हरियाणा इकाई ने कहा कि चुनाव होने से पहले ही, सत्तारुढ़ भाजपा ने बहाने तलाश करना शुरु कर दिया था क्योंकि उसने चुनाव में आसन्न पराजय भाँप ली है।

जहाँ भाजपा हरियाणा में लगातार तीसरे कार्यकाल पर नजरें जमाये हुये हैं, वहीं कांग्रेस सत्तारुढ़ दल को सत्ता सेहटा देने की आशा सँजोये हुये है।

चेन्नई के हॉस्टल में रेड, 32 छात्र हिरासत में

चेन्नई, 31 अगस्त। तमिलनाडु में पुलिस ने शनिवार को उन हॉस्टल्स में छापेमारी की, जहां चेन्नई के पास पोथेरी में प्राइवेट कॉलेज के छात्र रहते हैं। इस दौरान एक महिला समेत 32 कॉलेज स्टूडेंट्स को हिरासत में लिया गया। इन्हें

- पुलिस ने हॉस्टल में अचानक रेड डालकर छात्रों के कमरों से भारी मात्रा में गांजा, भांग का तेल व नशीली ड्रग्स इत्यादि बरामद की हैं।

एक निजी मैरिज हॉल में रखा गया है और अलग-अलग से पूछताछ की जा रही है। तांबरम नगर पुलिस स्टेशन के कांस्टेबलों ने आज यह रेड मारी। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। साथ ही भांग चॉकलेट, भांग का तेल और भांग से संबंधित दूसरी चीजें जब्त की गईं। पुलिस की ओर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अतिरिक्त महाधिवक्ता की नियुक्ति में कानूनी मायाजाल में फंसी सरकार'

अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर हुई इस नियुक्ति को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता ने कहा कि राज्य सरकार ने मनमाने तरीके से और जल्दबाजी में यह नियुक्ति की

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 31 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट में 2019 में नामांकित अधिवक्ता, पद्मेश मिश्रा, को राज्य सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पैरवी के लिये अतिरिक्त महाधिवक्ता (ए.ए.जी.) घोषित किये जाने के आदेश के खिलाफ जनहित याचिका दायर की गई। याचिकाकर्ता-अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने याचिका में मुख्य तौर पर इस मुद्दे पर जोर दिया है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2018 की वाद नीति में संशोधन किया और एक नया 'क्लॉज़ 14.8' को जोड़कर स्वयं को बेलगाम शक्तियां देने का प्रावधान जोड़ा जिसके तहत वे किसी भी अधिवक्ता, के अनुभव को आंकने के बाद, उसे अतिरिक्त महाधिवक्ता, महाधिवक्ता या किसी भी सरकारी वकील के पद पर नियुक्ति कर सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2018 की वाद नीति में कोई और संशोधन नहीं किया जबकि इसी वाद नीति में 'क्लॉज़ 14.4' के अनुसार अतिरिक्त महाधिवक्ता की नियुक्ति के लिये अधिवक्ता के पास कम से कम 10 वर्ष का अनुभव होना चाहिये।

- याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि ''राज्य सरकार ने वर्ष 2018 की वाद नीति में संशोधन किया और एक नया ''क्लॉज़ 14.8'' जोड़ा और स्वयं को बेलगाम शक्तियां दीं ताकि वो किसी भी अधिवक्ता को अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर नियुक्ति दे सके।
- परंतु उसने इसी वाद नीति के 'क्लॉज़ 14.4' में संशोधन नहीं किया, जिसके अनुसार अतिरिक्त महाधिवक्ता की नियुक्ति के लिये अधिवक्ता के पास कम से कम 10 वर्ष का अनुभव होना ही चाहिये।
- याचिकाकर्ता का कहना है कि अतिरिक्त महाधिवक्ता को नियुक्त करने से पूर्व राज्य के महाधिवक्ता से ही सलाह नहीं ली गई थी, जो कि वाद नीति के 'क्लॉज़ 14.2' के अनुसार अनिवार्य है।

याचिकाकर्ता याचिका में आरोप लगाया कि ''राज्य सरकार ने वर्ष 2018 की वाद नीति में संशोधन किया और एक नया ''क्लॉज़ 14.8'' जोड़ा और स्वयं को बेलगाम शक्तियां दीं ताकि वो किसी भी अधिवक्ता को अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर नियुक्ति दे सके। परंतु उसने इसी वाद नीति के 'क्लॉज़ 14.4' में संशोधन नहीं किया, जिसके अनुसार अतिरिक्त महाधिवक्ता की नियुक्ति के लिये अधिवक्ता के पास कम से कम 10 वर्ष का अनुभव होना ही चाहिये। याचिकाकर्ता का कहना है कि अतिरिक्त महाधिवक्ता को नियुक्त करने से पूर्व राज्य के महाधिवक्ता से ही सलाह नहीं ली गई थी, जो कि वाद नीति के 'क्लॉज़ 14.2' के अनुसार अनिवार्य है।

अंतरिम रोक भी लगाई जाये। इस मामले की पहली सुनवाई करते हुए न्यायाधीश अनिल उपमन ने राज्य सरकार तथा अधिवक्ता पद्मेश मिश्रा को नोटिस जारी किये और कहा कि याचिकाकर्ता अगली सुनवाई पर नियुक्ति के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने के अपने आवेदन पर जिरह जारी रख सकते हैं।

इस मामले में दायर याचिका के अनुसार राज्य सरकार ने 23 अगस्त 2024 को वाद नीति में एक संशोधन किया जिसके तहत उसने स्वयं को बेलगाम शक्तियां देने का प्रावधान जोड़ा जिससे वह किसी भी अधिवक्ता को मनमाने तरीके से अतिरिक्त महाधिवक्ता घोषित कर सकती है। याचिका में यह भी बताया गया है कि 23 अगस्त को ही राज्य सरकार ने पद्मेश मिश्रा को अतिरिक्त महाधिवक्ता घोषित करने का आदेश भी पारित किया। याचिकाकर्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई

नयी दिल्ली 31 अगस्त (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने युवाओं में बढ रही आत्महत्या की घटनाओं पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए सरकार से

- राहुल गांधी ने कहा कि बीते एक दशक में भारत में आत्महत्या के मामले दोगुने हो गये हैं। बीते दस सालों में 13 हजार 44 युवाओं ने आत्महत्या की है तथा उससे पहले के दस वर्षों में यह आंकड़ा 6,654 ही था।

युवाओं के खुशहाल भविष्य के लिए विकासोन्मुखी योजना बनाने का आग्रह किया है।

गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंडफिया में नकली मावे से बनी हुई मिठाइयां बेचने का धंधा जोरों पर

नकली मावे से बनी मिठाइयों को सांवलियाजी सेठ के मंदिर में ले जाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग

मंडफिया, (निसं)। मंडफिया कस्बे में प्रसाद के नाम से बैचे जाने वाला रेडीमेड नकली मावे का धंधा खूब फल-फूल रहा है। जानकारी के अनुसार भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया की नगरी में केमिकल युक्त नकली मावे से बनी मिठाईयां बेचने का गोरखधंधा जोरों शोरों से चल रहा है।

मंडफिया कस्बे के जागरूक एवं आईटीआई कार्यकर्ता कैलाश चंद्र डाड ने बताया कि इस मामले को लेकर रसद विभाग के टोल फ्री नंबर 181 पर शिकायत 12 जुलाई 2024 को दर्ज करवाई गई थी। शिकायत दर्ज होने के बाद फूड इंस्पेक्टर घनश्याम शर्मा व टीम मावे का सैंपल लेने मंडफिया पहुंची। फूड इंस्पेक्टर शर्मा व टीम ने मंदिर के आसपास की दुकानों से मावों का सैंपल लेकर चित्तौड़गढ़ लैब में ले गए। जागरूक कार्यकर्ता डाड ने बताया कि सैंपल के लिए ले जाए गए मावे की डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी ना जांच हुई ना ही कार्रवाई हुई, जिससे इन दुकानदारों के हौंसले बुलंद हैं। रसद विभाग की टीम ने मावे की जांच के नाम पर खानापूर्ति कर कार्य से अतिश्री कर ली है।

जागरूक कार्यकर्ता डाड एवं ग्रामीण सांवलिया जी मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कालूराम गुर्जर, मंडफिया पूर्व वार्ड पंच लक्ष्मी लाल खटीक, रामलाल गुर्जर ने बताया कि यह नकली मावा सांवलिया जी मंदिर मंडल की दुकानों में एवं कस्बे की

मंडफिया में खुले आम दुकानों में नकली मावे से बनी मिठाइयां बेची जा रही है।

- डेढ़ माह पहले शिकायत पर दुकानों से मिठाइयों के सैम्पल लिये गये थे, लेकिन अब तक नहीं हुई कोई कार्रवाई

अन्य मिठाईयां की दुकानों में खूब बिक रहा है। यह नकली मावा खाने से मंडफियावासियों के एवं बाहर से आने वाले भक्तों के शरीर में जहर घोल रहा है। यह नकली मावा शरीर में कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे रहा है। दुकानदार नकली मावा व उससे बनी मिठाईयां बैचकर मोटी गाड़ी कमाई कर अपनी जेबें भरने में लगे हुए हैं। इन दुकानदारों को लोगों के स्वास्थ्य की थोड़ी सी भी फ़िक्र नहीं है। यह दुकानदार बेफिक्र होकर नकली मावा ग्रामीणों को एवं भक्तों को बड़े मजे के साथ बेच रहे हैं।

कार्यकर्ता डाड ने बताया कि यह नकली मावा अन्य जिलों व शहरों से सील पैक कट्टों में मंडफिया कस्बे में स्थित सांवलिया जी मंदिर की दुकानों में एवं अन्य मिठाईयों की दुकानों में बड़ी मात्रा में पहुंच रहा है। इन सील पैक कट्टों में रंग बिरंगे जैसे सफेद, केसरिया, पीला, हरा व चॉकलेटी आदि रंगों का नकली मावा होता है। उसके बाद दुकानदार अपने सांचे में उस मावे को डालकर पेड़े बनाकर उसके ऊपर काजू बादाम की कतरन लगा कर कागज के मनमोहक पेकिंग डिब्बों में भरकर बेचा जा रहा है। इसमें खास बात यह है कि यह नकली मावा 130 रुपए से 150 रुपए प्रति किलो के हिसाब से दुकानदार खरीदते हैं फिर यही दुकानदार इस मावे को 500 से 600 रुपए प्रति किलो के हिसाब से भक्तों को बैच रहे हैं। जागरूक कार्यकर्ता कैलाश चन्द्र डाड ने बताया कि इस नकली मावे को यात्रीगण अच्छा समझ कर भगवान सांवलिया सेठ के मंदिर में लेकर पहुंच रहे हैं और यही मावा मंदिर के गर्भग्रह में सांवलिया जी सेठ की मूर्ति के समक्ष भोग के रूप में चढ़ रहा है। भगवान के भोग चढ़ जाने के बाद उस मावे को यात्री मंदिर परिसर में अपने परिवार जनों को एवं अन्य भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरण करते हुए देखा जा सकता है, लेकिन इन यात्रियों को पता ही नहीं है कि यह जो मावा है वो केमिकल युक्त नकली मावा है।

इधर ग्रामीणों ने मंदिर प्रशासन से इस मामले को शीघ्र संज्ञान में लेकर असली नकली मावे की जांच करवा कर यात्रियों एवं ग्रामीणों के स्वास्थ्य को बचाने की मांग की है। ऐसे नकली मावे को भगवान सांवलिया जी सेठ के मंदिर में ले जाने पर कड़ा प्रतिबंध लगाने की मांग की है। डाड ने यह भी बताया कि नकली मावा सप्लायर मंडफिया कस्बे में क्विंटलों बंद मावा बेच कर दुकानदारों को ऐसी सुविधा दे रखी है कि दुकानदार के मावा अगर नहीं बिकता है व खराब होता है तो सप्लायर उस सड़े गले मावे को ले जाकर पुन: बनाकर मावे में मिलाकर दोबारा दुकानदारों को बेच देता है।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फरार दो ईनामी गिरफ्तार

हरिद्वार उत्तराखण्ड की रहने वाली एक युवती से दुष्कर्म किया और फरार हो गए थे

मनियां थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

धौलपुर, (निसं)। सामूहिक दुष्कर्म के प्रकरण में फरार चल रहे 45 हजार रुपये के दो ईनामी बदमाशों को धौलपुर जिले की मनियां थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिन्होंने 24 अगस्त को हरिद्वार उत्तराखण्ड की रहने वाली एक युवती को नौकरी दिलाने का झांसा देकर फोन कर मनियां बुलाया। जिसके बाद तीन लोगों ने सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया और फरार हो गए। मामले में टीम गठित कर फरार आरोपियों की तलाश की गई।

मामले को लेकर मनियां सीओ राजेश कुमार ने बताया कि प्रकरण में घटना के समय से फरार आरोपियों की तलाश के लिए मनियां थाना क्षेत्र के गांव व उनके छिपने वाले सम्भावित स्थानों पर तलाश की गई। इसके बाद मुखबिर से सूचना मिली कि प्रकरण में फरार सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी जलालपुर मोड़ पर खड़े हैं, जो कहीं जाने की फिराक में है। सूचना पर थानाधिकारी मनियां नरेश शर्मा मय टीम के जलालपुर मोड़ पहुंचे, जहां पर दोनों आरोपी खड़े हुए थे, जिन्हें घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया, जिसमें अहम भूमिका कांस्टेबल नरेन्द्र, विक्रम, प्रेमचन्द, राजेश ने निभाई।

मनियां सीओ राजेश कुमार ने बताया कि सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे 45 हजार रुपये के ईनामी बदमाश रामौतार उर्फ औतार उर्फ अवतार पुत्र भवूति गुर्जर और पतिया उर्फ पतिराम पुत्र होतमसिंह गुर्जर को गिरफ्तार किया है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक धौलपुर सुमित मेहरड़ा की ओर से औतार गुर्जर पर 25 हजार रुपये और पतिराम पर 20 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। दोनों से पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया गया है।

होमगार्ड का शव मिला, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

तारानगर, (निसं)। तारानगर के एक खेत में बने झौपड़े में एक होमगार्ड का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में कई लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी गौरव खिड़िया ने बताया कि तारानगर के वार्ड 21 निवासी सुनिल कुमार पुत्र सीताराम शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि मेरा खेत मिखाला की रोही में स्थित है व हमारे खेत से दक्षिणी की ओर मेरे ताऊ कांता प्रसाद का खेत है। उसी हिस्से में कांता प्रसाद के पुत्र भगवानाराम के हिस्से की कृषि भूमि है। भगवानाराम होमगार्ड में नौकरी करता है, इसलिये अपने हिस्से की कृषि भूमि को गोविन्दराम पुत्र ऋषि कुमार को हिस्से पर काश्त पर दे रखी थी। 30 अगस्त दोपहर को भगवानाराम अपने खेत को संभालने गया था। उस समय उसके खेत में गोविंदराम पुत्र ऋषि कुमार, उसकी तथाकथित पत्नी नामालूम, राकेश पुत्र

- पुलिस एवं एसएफएल टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए

सीताराम माली, दिनेश सुखा पुत्रगण कमलाप्रसाद माली, नन्दलाल पुत्र बुधाराम माली, भोलूराम माली व अन्य 6-7 लोग और थे जो भगवानाराम के खेत में गोविन्द के पास बैठ हुये थे। मैं मेरे खेत में काम कर रहा था तो दोपहर करीब तीन बजे के आसपास भगवानाराम के खेत में आवाजें हुई में उधर भागकर गया और देखा कि भगवानाराम को लाठियों से व तार के हेंटर से मारपीट कर रहे थे। तो मैंने कहा तो मेरे को भी मारने के लिये दौड़े। मैं जान बचाकर भाग गया।

उसके बाद कुछ समय पश्चात भगवानाराम की तलाश की तो मुझे नहीं मिला, जिस पर मैनें मेरे घरवालों को सूचना की जिस पर मेरा भाई हरीश, पिता सीताराम, कांता प्रसाद, सुरेन्द्र भगवानाराम की तलाश करने आये। हम रातभर उसकी तलाश करते रहे। तलाश करने पर मेरे भाई भगवानाराम की लाश पालाराम माली के खेत में बन झौपड़े में मिली।

उपरोक्त सभी लोगों ने मेरे भाई की हत्या की है। मेरे भाई के सारे शरीर पर भयंकर चोटें लगी हुई हैं कई हड्डिया टूटी हुई है। उधर होमगार्ड भावनाराम का शव पड़ा होने की सूचना मिलने पर तारानगर डीएसपी मिनाक्षी, थानाधिकारी गौरव खिड़िया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे घटना की जानकारी ली। पुलिस ने भगवानाराम के शव को अपने कब्जे में लेकर उसे तारानगर उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया व पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की। एसएफएल टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक भगवानाराम के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

लूट-डकैती के तीन आरोपियों को सात-सात साल की सजा

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर-किशनगढ़ बास हाईवे पर बंबोरा घाटी के पास 10 साल पहले बदमाशों ने गाड़ी पर लाल बत्ती लगाकर अलवर से दिल्ली जा रहे परिवार की गाड़ी को अगवाकर जंगल में ले जाकर गाड़ी में बैठे परिवार के साथ जेवरात व नगदी लूट व डकैती मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या-2 जगदीश प्रसाद मीणा ने तीन आरोपियों को 7-7 वर्ष का कारावास व पांच-पांच हजार के अर्थदंड से दंडित किए जाने के आदेश दिए हैं।

अपर लोक अभियोजक अजीत राव ने बताया कि 16 फरवरी 2014 को दिल्ली निवासी सपन मोहन गर्ग ने किशनगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि वह 14 फरवरी रात को अपनी पत्नी व बच्चों के साथ कार में सवार होकर अलवर से दिल्ली जा रहे थे। रात्रि करीब 11:45 पर किशनगढ़ के बंबोरा घाटा के पास अचानक एक मारुति स्विफ्ट सफेद रंग की गाड़ी लाल बत्ती लगी हुई ने ओवरटेक कर हमारी कार को रोक दिया और लाल बत्ती वाली कार से 6 बदमाश उतरे एवं हमारे ड्राइवर को जबरन खींचकर अपनी गाड़ी में बैठा लिया। तीन बदमाश हमारी गाड़ी में घुस आए जिसमें से एक ने गाड़ी चलाई एवं पीछे बैठे बदमाश ने कट्टा मेरी पत्नी के माथे पर लगा दिया। मेरी पत्नी के पहने हुए जेवर, 20 हजार नगदी, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड मोबाइल लैपटॉप छीन लिया एवं दोगडा के जंगल में छोड़कर चले गए।

पुलिस ने मामले की जांच कर सात लोगों के विरुद्ध अदालत चालान पेश किया। अदालत में सुनवाई के बाद अपर जिला सत्र न्यायाधीश जगदीश प्रसाद मीणा ने आरोपी इब्रा उर्फ इब्रान पुत्र ममरेज निवासी सोमका पहाड़ी भरतपुर, आदिल पुत्र मजीद निवासी बादली पुनहाना हरियाणा, हंडू उर्फ देवो उर्फ देवीलाल पुत्र समय सिंह निवासी भटटकी की जुरहरा भरतपुर के विरुद्ध दोष सिद्ध पाए जाने पर सात-सात वर्ष की सजा व अर्थदंड से दंडित किया है।

पैदल जातरू मां-बेटी को बोलेरो ने कुचला, मां की मौत

जोधपुर, (कास)। शहर के निकटवर्ती मोगड़ा गऊशाला के पास पैदल जा रहे जातरू मां-बेटी को एक बोलेरो चालक ने अपनी चपेट में लेकर कुचल दिया। इसमें मां की मौत हो गई जबकि बेटी जख्मी हो गई। मामले में विवेक विहार पुलिस ने शनिवार को शव को कार्रवाई कर परिजनों को सौंपा। बेटी का अस्पताल में उपचार जारी है। वहीं दूसरी तरफ रामसागर चौराहा के पास पिकअप के चालक ने युवक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

विवेक विहार थाने के एएसआई भरतलाल ने बताया कि सिरोही जिले के पिण्डवाड़ा स्थित ठंडीबेरी निवासी मालाराम पुत्र लिंबाराम गरासिया का परिवार बाबा के दर्शनार्थ रामदेवरा की तरफ जा रहा था। यह लोग पैदल थे। मोगड़ा गऊशाला के पास में किसी बोलेरो के चालक ने उसकी पुत्रवधु 21 साल की बिजरी कुमारी पत्नी गोमाराम गरासिया और उसकी 3 साल की बेटी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बिजरी की मौत हो गई। वहीं उसकी बेटी घायल हो गई। एएसआई भरतलाल ने बताया कि बोलेरो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर अब जांच की जा रही है। शव को आज कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया गया है। वहीं दूसरी तरफ एयरपोर्ट पुलिस ने बताया कि डांगियावास निवासी डूंगरराम पुत्र शेराराम जाट ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई बासनी बेंदा पुलिया से निकल रहा था। तब किसी पिकअप के चालक ने उसे चपेट में ले लिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, बाडी
पता-बाईपास किला बाडी-328021 फोन नं. 05647-274684 ई मेल-ee_pwdbari@rediffmail.com
क्रमांकः 668 दिनांकः 28.08.2024
अल्पकालीन निविदा सूचना संख्याः 02/2024-2025
(NIB PWD2425A1293 & UBN PWD2425WSOB04668, PWD2425WSOB04671, PWD2425WSOB04674)
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाडी जिला धौलपुर में कुल 3 नं. पर भवन / सडक कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए, "ए"बी"सी" एवं डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए,"ए"बी"सी" एवं डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।
(सौरभ शर्मा)
DIPR/C/7972/2024 अधिशाषी अभियन्ता सानिवि खण्ड बाडी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त जालोर
क्रमांकः अअ/वृत्त/जा/2024-25/1011-1027 दिनांकः 27.08.2024
निविदा सूचना संख्या : 01 वर्ष 2024-25
NIB No. PWD2425A1276
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत सडक कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 03 कार्य जिनकी लागत राशि रू. 842.00 लाख है, अतः उक्त कार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	02 सितम्बर 2024, प्रातः 10.00 बजे से 23 सितम्बर 2024, सायं 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http:// eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
NIB No. PWD2425A1276

क्र.सं.	यूबीएन नं.
1	PWD2425WSOB04616
2	PWD2425WSOB04617
3	PWD2425WSOB04618

DIPR/C/7931/2024
(चतुर्भुज खुडीवाल)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त, जालोर
मोबाईल 9414587359

सीकर: रैवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती पंचतत्व में विलीन

राघवाचार्यजी महाराज द्वारा घोषित उत्तराधिकारी जगतगुरू द्वाराचार्य राजेंद्रदास देवाचार्य मलूक पीठाधीश्वर बंसीवट वृंदावनधाम ने मुखाग्नि दी

सीकर, (निसं)। रैवासा पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी राघवाचार्यजी वेदांती महाराज की पार्थिव देह शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गई। महाराज द्वारा घोषित उत्तराधिकारी जगतगुरू द्वाराचार्य राजेंद्रदास देवाचार्य मलूक पीठाधीश्वर बंसीवट वृंदावनधाम ने मुखाग्नि दी।

डॉ. स्वामी राघवाचार्यजी वेदांती महाराज का शुक्रवार को हृदय गति रूकने से निधन हो गया था। श्री जानकीनाथ बड़ा मंदिर से उनकी बैकुंठी निकाली गई जो रैवासा गांव में होती हुए अंतिम स्थल पर पहुंची। यहां पर अश्रुपूर्ण नयनों से सभी ने उनकी पार्थिव देह को श्रद्धासुमन अर्पित किए। अनुयायियों ने रूंवासे मन से महाराज को अंतिम विदाई दी। महाराज की बैंड-बाजे सहित भजनों के साथ निकली बैकुंठी को देखने और अंतिम विदाई देने के लिए पूरा रैवासा गांव सहित भारत के सभी हिस्सों से धर्मगुरू, संत, राजनेता सहित उनके अनुयायी मौजूद रहे। डॉ. स्वामी राघवाचार्यजी वेदांती महाराज की देह को वहां मौजूद सभी लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। अंतिम क्रिया स्थल पर महाराज को विदाई देने के लिए सभी संप्रदायों के पीठाधीश्वर, महंत सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

महाराज के अग्नि संस्कार में वैष्णव समाज, दादूपंथी संप्रदायों के मठाधीशों सहित यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी, दांतारामगढ़ विधायक विरेंद्र सिंह, हाथोज पीठ के पीठाधीश्वर व हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रभारी डॉ.

स्वामी राघवाचार्यजी महाराज के अंतिम संस्कार में अनेक संत, राजनेता और अनुयायी शामिल हुये।

- यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की

सतीश पूनिया, लोहार्गल पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज, पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, रैवासा सरपंच राजकुमार सैनी, पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी, पूर्व मंत्री बंशीधर बाजिया, सीकर के पूर्व एडीएम हरिशंकर भारद्वाज, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल, सभापति जीवण खां, चंद्रमादास महाराज, श्रीकुमार लखोटिया, महेश शर्मा, रामचंद नेहरा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कहा कि अग्रपीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य महाराज के देहलोकगमन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। राज्य सरकार व मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर वे महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि स्वामी राघवाचार्य महाराज का देहलोकगमन हमारे लिए बहुत बड़ा सदमा है।

भाजपा के हरियाणा प्रभारी व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि स्वामी राघवाचार्य महाराज ने शेखावाटी में ही नहीं अपितू राजस्थान व देश में सनातन की धर्म प्रजा को फैलाने का काम किया है। हम महाराज को सुनते भी थे और खिखते भी थे। पूनिया ने कहा कि आज महाराज विधिक रूप से हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी आत्मिक व धार्मिक प्रेरणायें हमारे बीच में हमेशा रहेगी। दांतारामगढ़ विधायक विरेंद्र सिंह ने कहा कि स्वामी जी ने शिक्षा, वेदों के अध्ययन, धर्म के क्षेत्र में हमेशा सहयोग दिया है। ऐसे धर्मगुरू के हमारे बीच से चले जाना अपूरणीय क्षति है। सभापति जीवण खां ने कहा कि स्वामी राघवाचार्य महाराज ने सर्वसमाज को साथ लेकर गौसेवा में अनुकरणीय कार्य किया है। उनका ऐसे चले जाना हम सबके लिए बहुत दुखदायी है। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल ने कहा कि महाराज ने शिक्षा, संस्कृत व संस्कृति की अलख संपूर्ण समाज में जगाई है। हमारे बीच से चले जाने की पूर्ति करना हम सबके लिए असंभव है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया ने कहा कि स्वामी राघवाचार्य महाराज ने सामाजिक समरसता के साथ वेदों को आगे बढ़ाने के लिए धार्मिक कार्यक्रमों सहित संस्कृत शिक्षा को आगे बढ़ाने का काम किया है। कहा कि महाराज ने रैवासा पीठाधीश्वर के रूप में जो छवि पूरे देश में रैवासा की बनाई वह अपने आप में दुर्लभ है। महाराज जनता जर्नादन से सीधे रूप से जुड़े रहते थे।

हाथोज पीठाधीश्वर व हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज ने स्वामी राघवाचार्य महाराज के देहलोकगमन को संत समाज सहित सभी के लिए बेहद दुखदायी बताया। वैदिक आश्रम पिपराली के स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि महाराज ने लंबे समय तक इस क्षेत्र में समाजसेवा के साथ-साथ में वेद, संस्कृति, धर्म का प्रचार प्रसार किया है। इससे उनकी संपूर्ण देश में ख्याति थी। कहा कि महाराज ने हमेशा सेवा के कार्य किए हैं।

चाकूबाजी मामले में छात्रों को स्कूल से निकाला

उदयपुर, (निसं)। स्कूल के बाहर छात्र पर चाकू से हमला करने के मामले में स्कूल प्रबंधन ने पांच छात्रों को टीसी सौंपकर स्कूल से निकाल दिया।

प्रकरण के अनुसार शुक्रवार को शहर के युनिवर्सीटी रोड़ पर स्थित निजी स्कूल के बाहर आपसी कहासुनी के दौरान स्कूल छात्रों ने सहपाठी छात्र पर चाकू से प्राणघातक हमला कर एक छात्र को घायल कर दिया था।

इस मामले में जांच अधिकारी पुलिस उप अधीक्षक अब्दुल रहमान ने डिटेनशुदा पांच छात्रों को न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को बाल सम्प्रेशण गृह भेज दिया, जबकि स्कूल प्रबंधन ने कार्यवाही करते हुए मामले में करीब पांच छात्रों को स्कूल से निष्कासित कर दिया।

इस मामले में शनिवार को पीड़ित छात्र के परिजनों एवं अभिभावकों ने कार्यवाही की मांग करते हुए स्कूल में हंगामा किया था।

राजकीय महिला अभियान्त्रिकी महाविद्यालय, अजमेर
GOVT. WOMEN ENGINEERING COLLEGE, AJMER
(An Autonomous Institute of Govt. of Rajasthan)
Nasirabad Road, Makhupura, Ajmer-305002
website: www.gweca.ac.in Ph. No.: 0145-2695535 email: principal@gweca.ac.in Fax No.:0145-2695102

रा.म.अ.म./प्रोक्टर/2024-25/39 दिनांक 31.08.2024
बी. टेक. प्रथम वर्ष में रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश हेतु (2024-25)
महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय अजमेर में बी. टेक. प्रथम वर्ष में रिक्त रही सीटों पर सीधे प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।
(REAP CODE : 1052)

Branches available	Last Date & Timing for Applying for Direct Admission	Date & Timing of Counselling	Venue
Computer Science & Engg.,(CSE) Information Technology, (IT) Electronics & Communication Engg.,(ECE) Electrical Engg., (EE) Electrical & Electronics Engg., (EEE) Mechanical Engg.,(ME) Artificial Intelligence & Machine Learning (AIML)	14.09.2024 (upto 11:00 am)	14.09.2024 From 1:00 pm onwards	Govt. Mahila Engineering College Nasirabad Road Makhupura Ajmer

समस्त प्रवेश प्रक्रिया रीप-2024 के दिशा निर्देशानुसार होगी।
प्रवेश इच्छुक छात्राएं महाविद्यालय से फॉर्म प्राप्त कर अथवा महाविद्यालय वेबसाइट www. gweca.ac.in से फॉर्म डॉऊनलोड कर उसे भरकर मय दस्तावेजों की छायाप्रति सहित निर्दिष्ट तिथि तथा समय पर महाविद्यालय में जमा करा सकते हैं। (फॉर्म और दस्तावेजों को स्कैन कर proctor@gweca.ac.in मेल भी निर्धारित समयावधि में प्रेषित कर सकते हैं)। काउंसिलिंग के समय छात्राओं को व्यक्तिगत रूप से मूल दस्तावेजों और शुल्क के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।
महाविद्यालय में एम.सी.ए. तथा बी. टेक. द्वितीय वर्ष (LATERAL ENTRY) में प्रवेश प्रक्रिया संचालित है।
Contact No. : 9829149706, 9928464454, 9828648789,9829081523
प्राचार्य

'अजमेर का होगा सुनियोजित विकास: पानी, बिजली और चिकित्सा प्राथमिकता'

वार्ड संख्या एक में विकास कार्य का शुभारम्भ

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर शहर का सुनियोजित विकास होगा। सड़क, पानी, बिजली, चिकित्सा और पर्यटन विकास हमारी प्राथमिकता है। इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध रूप से काम होगा।

देवनानी ने शनिवार को वार्ड संख्या एक में विकास कार्यों शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अजमेर शहर का सुनियोजित विकास किया जाएगा। राज्य बजट एवं राज्य सरकार की ओर से हाल ही में सड़कों के विकास के लिए कई करोड़ रूपयों की घोषणा की गई है। शहर की सड़कों के सम्पूर्ण कायाकल्प के लिए इस राशि से योजनाबद्ध काम करवाया जाएगा। शहर की सभी टूटी-फूटी सड़कों एवं अन्य प्रमुख सड़कों को सुधारा जाएगा। बारिश के बाद इन पर काम शुरू होगा।

इसी तरह पेयजल के लिए भी सैकड़ों करोड़ रूपयों की घोषणा की गई है। इन पर टेण्डर एवं अन्य औपचारिकताओं की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नसीराबाद से नौसर पाइप लाइन एवं शहर में कोटड़ा, वैशाली नगर एवं लोहागल में सर्विस रिजर्वायर एवं टैंक बनने से पानी के प्रेशर, स्टोरेज व समय सीमा की समस्या भी समाप्त हो जाएगी। अब तक अन्तिम छोर पर माना जाने वाला अजमेर उत्तर इन कामों के बाद प्रथम छोर पर आ जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसी तरह चिकित्सा के क्षेत्रा में भी उनभूतपूर्व काम होने जा रहे हैं। अजमेर का जवाहर लाल नेहरू अस्पताल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनेगा। इस पर सैकड़ों करोड़ रूपए खर्च होंगे। मरीजों को उपचार के लिए दिल्ली या जयपुर नहीं जाना पड़ेगा। इसी तरह पर्यटन के क्षेत्रा में भी अजमेर को विकसित किया जा रहा है। यहां नैसर्गिग सौन्दर्य से भरपूर अरावली पहाड़ियों में लैपर्ड सफारी, रोप वे एवं अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने वार्ड संख्या एक में विकास कार्यों शुभारम्भ किया।

■ शहर की सड़कों के सम्पूर्ण कायाकल्प के लिए इस राशि से योजनाबद्ध काम करवाया जाएगा। शहर की सभी टूटी-फूटी सड़कों एवं अन्य प्रमुख सड़कों को सुधारा जाएगा

खेल दिवस पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

अजमेर, (कासं)। केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर की ओर से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयए ऊंटड़ा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित अंतर्विद्यालयीन कबड्डी प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयए ऊंटड़ा की टीम विजेता रही।

क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ने कहा कि भारत के गौरव हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास होता है और यदि तन और मन दोनों स्वस्थ होंगे तो ही जीवन आनंदमय हो सकता है। विद्यार्थी जीवन में विभिन्न खेलों में हिस्सा लेकर और इसे अपने दैनिक जीवन का अंग बनाकर हम एक स्वस्थ जीवन की नींव रख सकते हैं। समाजसेवी और भामाशाह महफूज खान ने कहा कि गांवों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित प्रोत्साहन देने की है। प्रतियोगिता के फाइनल में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयए ऊंटड़ा की कबड्डी टीम ने 40-13 के बड़े अंतर से विजेता रही।

सार-समाचार

बैठक आयोजित

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नम्बर 41 व 45 में कार्यकताओं, बूथ अध्यक्षों, शक्ति केन्द व महामंत्री की सदस्यता अभियान को लेकर बैठक आयोजित कर सभी को जमीनी स्तर से कार्य करने के लिए उत्साहित किया। भदेल ने बैठक में मौजूद सभी भाजपा के कार्यकताओं को सदस्या अभियान से जुडी जानकारी देते हुए बताया कि हमें प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान से जोड़ना है और उसकी हर प्रकार से सहायत करनी है। हमें हर घर हर व्यक्ति तक भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को पहुंचाया है और उन्हें विकसित भारत के सपने को साकार करने हेतु कदम से कदम मिलाकर चलने हेतु संकल्पित करना है। केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से किस प्रकार कोई व्यक्ति कैसे लाभ प्राप्त कर सकता है, इसकी जानकारी भी हमें सभी व्यक्तियों तक पहुंचानी है।

संभागीय आयुक्त का किया अभिनंदन

भीलवाड़ा, (निसं)। पीपल फॉर एनिमल्स के प्रदेश प्रभारी पर्यावरणविद बाबूलाल जाजू ने वरिष्ठ आईएएस संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट का सेवानिवृत होने पर संभागीय आयुक्त कार्यालय उदयपुर में अभिनंदन किया। जाजू ने आयुक्त राजेंद्र भट्ट का खादी की माला पहनाकर, स्मृति चिन्ह अमृतादेवी विश्नोई तस्वीर एवं पौधा लगा गमला भेंट कर सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि भट्ट भीलवाड़ा जिला कलेक्टर भी रहे है। कोरोना महामारी के दौरान कोरोना मैनेजमेंट में भीलवाड़ा को पूरे विश्व में रोल मॉडल बनाने का श्रेय भट्ट को जाता है। इस अवसर पर पीएफए बांसवाड़ा प्रभारी विकेश मेहता, गौरव जाजू उपस्थित रहे।

अदालत का आयोजन

ब्यावर, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार शनिवार को ब्यावर तालुका न्याय क्षेत्र में भारतीय स्टेट बैंक के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत हेतु प्रो-बोनो बैंच अध्यक्ष डॉ. वीनू नागपाल व सदस्य अधिवक्ता जयप्रकाश जांगिड़ द्वारा पक्षकारान के मध्य समझाईश करवाई गई। भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबधंक अरूण कुमार, जिज्ञासा वर्मा, विजय कुमार, सुनीता चौहान आदि ने उपस्थित होकर आपसी राजीनामे से प्रकरणों का निस्तारण किया। विशेष लोक अदालत में भारतीय स्टेट बैंक के 201 प्रकरणों को रैफर किया गया, जिसमें आपसी सहमति से 7 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

शिक्षक सम्मान समारोह 5 को

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला यूनेस्को एसोसिएशन भीलवाड़ा द्वारा शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन 5 सितम्बर गुरूवार को अपरान्ह 3 बजे रा.उ.मा.वि. राजेन्द्र मार्ग स्कूल में किया जायेगा। जिला यूनेस्को एसोसिएशन की प्रवक्ता मधु लोढा ने बताया कि शिक्षक दिवस पर जिला यूनेस्को एसोसिएशन के द्वारा जिले के श्रेष्ठ शिक्षकों का चयन कर 5 सितम्बर को होने वाले शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया जायेगा। प्रत्येक ब्लॉक से दो श्रेष्ठ शिक्षकों का चयन कर राजेन्द्र मार्ग स्कूल में आयोजित समारोह में यूनेस्को द्वारा मोमेंटों, प्रशस्ति पत्र व शॉल ओढाकर उन्हें सम्मानित किया जायेगा। इस समारोह में जिला यूनेस्को एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

समाधान परिचर्चा आज

अजमेर, (कासं)। विजन अजमेर संस्था द्वारा बरसाती पानी की निकासी का स्थाई समाधान पर परिचर्चा रविवार को प्रात: 11 से 1 बजे तक रसोई बैंकवेट हॉल स्वामी कॉम्पलेक्स पर आयोजित होगी। परिचर्चा में आमजन बरसाती पानी के भराव व निकासी पर अपने विचार रखेगें व विशेषज्ञों द्वारा अल्पकालीन व दीर्घकालीन सुझाव दिए जाएगें, जिसे शासन प्रशासन तक विभिन्न माध्यमों से पहुंचाया जाएगा। परिचर्चा में अजमेर के प्रबुद्धजनों व संस्था प्रमुख को भी आमंत्रित किया है। संस्था द्वारा लिखित में सुझाव भी मांग गए हैं।

तेजा मेले संदर्भ में मीटिंग

ब्यावर, (निसं)। मेवाड़ी गेट स्थित रांकजी की बगीची में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक रांका की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्षददल की एक मीटिंग आहूत की गई। बैठक में नगर परिषद द्वारा आयोजित 12 से 14 सितंबर को श्री वीर तेजा मेला महोत्सव को लेकर विचार विमर्श किया गया जिसमें नगर परिषद आयुक्त श्रवण राम को एक पार्षद का नाम तेजा मेला में उपसंयोजक बनाने के लिए दिया जायेगा। तेजा मेले में सभी कांग्रेस भाजपा के जनप्रतिनिधि आपसी सामंजस्य भाई चारे और प्रेम को कायम रखते हुए शहर हित में एकता की मिशाल पेश करेंगे जिससे ज़िले में एक अच्छा संदेश जाएगा। परंपरागत रूप से मनाये जाने वाले इस मेले को लेकर सभी जनप्रतिनिधि एकजुट हैं। मीटिंग में पार्षद राजेश शर्मा,भारत बाघमार,राजेन्द्र तुनगरिया, विक्रम सोनी, आदि पार्षद गण उपस्थित रहे।

नेत्रदान के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब अजमेर वेस्ट की ओर से आज नेत्रदान पर जागरूकता हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डिस्ट्रिक मीडिया कॉर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि कार्यशाला में जे एल एन चिकित्सालय के नेत्र रोग विभाग आई बैंक के भरत कुमार शर्मा व कुलदीप सिंह ने नेत्र दान की महत्ता को समझाते हुए कहा की यें एक ऐसा दान है जो मरणोप्रान्त ही किया जाता है।

इसमें नेत्र का केवल कॉर्नियां ही लिया जाता है, मृत शरीर की आंखे वैसी ही दिखती हैं जैसी होती हैं। इससे दो आदमियों के आंखे रोशन होगी । जो उसको आजीवन दुनियां को देख सकेगा । लायन आभा वार्ष्णेय ने नेत्र दान के धार्मिक महत्व को समझते हुए लोगो को प्रोत्साहित किया ओर कहा कि लोगों में जो भ्रान्ति है कि अगले जन्म में अंधे पैदा होंगे वो निराधार है बल्कि नेत्र दान मनुष्य जीवन में किया गया सबसे बड़ा दान है जिसका पुण्य मनुष्य को जन्म जन्मांतर तक मिलता रहता है। मंच संचालन लायन सीमा पाठक ने किया । नेत्र ज्योति का कार्यक्रम लायंस का प्राइम प्रोग्राम है। विप्र सैना कि महिला अध्यक्ष रमा शर्मा ने भी अपने वक्तव्य में सभी से नेत्रदान की अपील की। अंत में क्लब अध्यक्ष लायन सी पी गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर बृजस्थ मैथिल ब्राहम्मण संस्थान के सचिव शैलेन्द्र शर्मा ने भी विचार रखे । कार्यक्रम में लायन वी के पाठक, लायन सरोज महावर , लायन प्रियंका सहित क्षेत्रवासी भी उपस्थित रहे।

स्वच्छता मूल्यांकन में विद्यालय का प्रथम स्थान

शाहपुरा, (निसं)। विद्या भारती राजस्थान द्वारा प्रतिवर्ष राजस्थान क्षेत्र में प्रत्येक विद्यालय में स्वच्छ परिसर का मूल्यांकन किया जाता है जिसमें पहले विद्यालय ने जिलास्तर और फिर प्रांत स्तर पर प्रथम स्थान और फिर क्षेत्रीय टीम द्वारा निर्धारित मूल्यांकन पत्रक के बिन्दुओं के आधार पर स्वच्छता निरीक्षण किया गया प्रधानाचार्य दुर्गा लाल जांगिड़ ने बताया कि 8 अगस्त को क्षेत्र द्वारा निर्धारित टीम में भरतराम कुम्हार, उपाध्यक्ष, विद्या भारती राजस्थान, प्रेमसिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, विद्या भारती राजस्थान, प्रमिला शर्मा, संयोजिका, बालिका शिक्षा द्वारा सत्र 2023-24 का विद्यालय स्वच्छता निरीक्षण किया गया।

रावत महासभा के प्रदेशाध्यक्ष ने किया पदभार ग्रहण

मसूदा, (निसं)। राजस्थान रावत महासभा पुष्कर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष देवी सिंह रावत लाडपुरा ने आज रावत मंदिर पुष्कर में किया पदभार ग्रहण। ओर समाजबन्धुओ ने माला व साफा पहनाकर कर स्वागत किया। पूर्व कार्यकारिणी के महामंत्री ने नवनियुक्त अध्यक्ष को पदभार दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन मे समाज के विकास ओर समाज सुधार के लिए एकजुट होकर काम करेगे। पदभार ग्रहण कार्यक्रम मे महामंत्री कुन्दनसिह रावत मुहामी, कोषाध्यक्ष नारायणसिह मोतीसर, नवयुवक मंडल अध्यक्ष विक्रांतसिंह रावत , पूर्व अध्यक्ष ज्ञानसिह रावत, भगत सिंह रावत, खिरनी खेड़ा, ब्यावर विक्रम सिंह रावत जयपुर, गोविन्द सिंह रावत देवमाली मसूदा, मदन सिंह फौजी माखुपुरा, फूल सिंह रावत रतनगढ, मोहनसिंह रावत नाला, फुलसिह रावत, प्रधान प्रतिनिधि अर्जुन सिंह रावत, श्रवणसिह रावत, कुशलपुरा सर्कल अध्यक्ष प्रभुसिह रावत, कैलाशसिंह रावत किशनगढ़, सेवासिह रावत, देवीसिंह रावत अमरगढ, कप्तानसिह रावत, , राजवीरसिंह रावत बडलिया आदि मौजूद थे।

राजस्थान रावत महासभा पुष्कर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष देवी सिंह रावत लाडपुरा ने आज रावत मंदिर पुष्कर में पदभार ग्रहण किया।

बाला भैरव मंदिर में धार्मिक आयोजन

अजमेर, (कासं)। महावीर सर्किल स्थित श्री बाला भैरव मंदिर में श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा पूजन महाआरती करते खुशहाली की कामना की गई। मंदिर समिति के महासचिव पंडित दिनेश यादव ने शनि प्रदोष के अवसर पर शनिदेव का पूजन कर महाआरती की।

इस अवसर पर श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियों महेन्द्र बंसल और रमेश लालवानी का पंडित दिनेश यादव ने माल्यार्पण कर और माता की चुनरी पहनाकर अभिनन्दन भी किया गया। रमेश लालवानी ने इस अवसर पर बताया कि महावीर सर्किल पर स्थापित बाला भैरव मन्दिर में वर्तमान में श्रद्धालुओं को उनकी सुविधा के अनुसार पूजन के अवसर प्रदान किए जा रहे है। इस अवसर पर राज भाई,लेखराज बच्चानी,गौरव गर्ग,हरि प्रसाद,चितलेश बंसल,नीलेश सहित अन्य ने बाला भैरव मन्दिर व शनिदेव का पूजन आरती करके प्रसाद का भोग लगाया।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज

अजमेर, (कासं)। सोफिया कॉलेज में खेली जा रही तृतीय माटिल्डा बास्केटबॉल इंटर स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में खेले गए मुकाबले में सोफिया स्कूल खेतड़ी एवं मेरठ के साथ अजमेर की सेंट मैरीज कान्वेंट एवं सोफिया अजमेर की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई है। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाएगा।

आयोजन सचिव डॉ.तन्मय ने बताया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को खेले गए विभिन्न मुकाबले में सोफिया संस्थान की टीमों ने धूम मचाते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों को परस्त कर अंतिम चार में जगह बनाई इसके साथी खिताब की प्रबल दावेदार अजमेर की ही सेंड मेरिज कॉन्वेंट स्कूल के खिलाडियों ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला सोफिया स्कूल मेरठ से होगा। एक अन्य सेमीफाइनल मुकाबले में अजमेर की सोफिया स्कूल का मुकाबला सोफिया स्कूल खेतड़ी से होगा। लीग कम नॉकआउट आधार पर खेली जा रही प्रतियोगिता में 12 टीम में भाग ले रही है। शनिवार को खेले गए लीग मुकाबले में सोफिया का दबदबा रहा, वही कॉन्वेंट स्कूल के खिलाडियो ने अपना शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीमों को नजदीक नहीं आने दिया।

आयोजन सचिव डॉ.तन्मय ने बताया कि रविवार को प्रात: 10 बजे प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति कमांडर जेएस राजावत (नेवी) विजेता खिलाडियों को चल वैजयंती एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस अवसर पर सोफिया कॉलेज की प्राचार्य डॉ.सिस्टम पर्ल, उपप्राचार्य सिस्टर रानी, खेलकूद विभाग अध्यक्ष डॉ.शाईना शेरानी आयोजन समिति की सदस्य डॉ.कुमुद खत्री जिला बास्केटबॉल संगठन के पदाधिकारी एवं अन्य अतिथि मौजूद रहेंगे।

जुलूस की तैयारी को लेकर बैठक

अजमेर, (कासं)। सूफी इंटरनेशनल के तत्वाधान में आयोजित होने वाले जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस को लेकर शनिवार को तारा शाह नगर हुसैनी मोहल्ला विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के सदर आफताब नवाजी, सचिव बदरुद्दीन कुरैशी ने बताया कि मोहम्मद साहब के जन्म दिवस के अवसर पर निकलने वाले 12 रबी उल अव्वल के जुलूस को तैयारियों लेकर बैठक आयोजित की गई। विकास समिति के सभी युवा सदस्यों को जुलूस में भागीदारी निभाने के लिए कहा गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जुलूस के दौरान स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा। सूफी इंटरनेशनल के सचिव नवाब हिदायत उल्ला सहित विकास समिति के सदस्य सदरूद्दीन कुरैशी, सदर आफताब नवाजी, बदरुद्दीन कुरैशी, निजामुद्दीन, मोहम्मद इकबाल, मजीद शेख मसूदी, रियाजुद्दीन कुरैशी, नौशाद अब्बासी, तौसीफ हुसैन, सलीम मोहम्मद, इरशाद सिराजुद्दीन, काजी मुनव्वर अली, आरिफ हुसैन सहित अन्य मौजूद थे।

नौ साल से फरार चल रहा बदमाश गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आज नौ साल से फरार चल रहे दौ हजार रूपए का ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ बांदरसिंदरी पुलिस थाने मे 3 मार्च 2015 को लूट का मामला दर्ज हुआ था।

■ आरोपी के खिलाफ बांदरसिंदरी पुलिस थाने मे 3 मार्च 2015 को लूट का मामला दर्ज हुआ था

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि आज बांदरसिंदरी थाना पुलिस ने हाईवे पर लूट के मामले मे फरार चल रहे दो हजार रूपए का ईनामी आरोपित मुबारिक उर्फ मुबारक पुत्र इस्माईल जाति मेव, उम्र 35 साल निवासी गांव नई थाना बिछोर जिला नूंह मेवात हरियाणा को गिरफ्तार किया है।

यह है मामला- 3 मार्च 2015 को परिवादी धमेन्द्र आसवानी ने एक लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई की गांधीधाम का रहने वाला हूँ। मेरी सास का स्वर्गवास 2 मार्च 2015 को रात्रि को आगरा में हो गया था। इसलिए मैं परिवार सहित आगरा जाने के लिये दोपहर बाद गांधीधाम से गाड़ी नं जीजे 12 जीडी 1229 से परिवार सहित रवाना हुआ था, 3मार्च 2015 को रात करीब 12.15 बजे अजमेर पहुँच कर माताजी को साथ लेकर 1.30 बजे रवाना हुये। टोल क्रोस करने के बाद मुझे नींद आ गई। टोल से कारीबन 10 किमी चलने के बाद अचानक गाड़ी रूकी और हमारी गाडी के आगे एक गाडी रूकी जो सफेद रंग की इनोवा थी। उसमें से 5 आदमी उतरे और हमारी गाड़ी में चढ़ गये और ड्राईवर को सीट से मेरी तरफ धकेल दिया और एक आदमी गाड़ी चलाने लगा और बैठते ही सबसे पहले हमारे मोबाईल ले लिये। फिर पैसे छीन लिये एवं 13-14 हजार रूपये भी छीन लिये और मेरी पत्नि व माताजी के गहने भी छीन लिये। हमारे साथ ड्राईवर तुलसी भी था।

व्यापारिक महासंघ ने की प्रशासन से मांग

अजमेर, (कासं)। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, कलेक्टर डॉ.भारती दीक्षित, निगम आयुक्त देसल दान चारण, महापौर ब्रिज लता हाडा, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी से मांग की है कि पिछले दिनों नगर निगम द्वारा अतिक्रमण दस्ते ने महावीर सर्किल पर बाबाजी की नसियां के बाहर विभाजन के समय से स्थापित चार केबिनो हटाने की चेतावनी देते हुए शनिवार को अतिक्रमण कहकर हटाने के नोटिस दिए। महासंघ के अध्यक्ष महेन्द्र बंसल और महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि केबिन संचालक लेखराज बच्चानी और राजूभाई अनेक वर्षा तक नगर निगम को केबिनो का किराया जमा करवाया जाता रहा हैं। नगर निगम द्वारा उनसे किराया लेना बंद कर दिए जाने पर उनकी मजबूरी हो गई कि पिछले कुछ वर्षों से उनके द्वारा किराया जमा नहीं करवाया जा सका है।

भव्य नन्द महोत्सव मनाया

ब्यावर, (निसं)। अग्र ज्योति मण्डल के सौजन्य से स्थानीय आशापुरा माता धाम में नन्द महोत्सव का आयोजन रविवार को दोपहर 3 बजे से धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस सुअवसर पर मंदिर परिसर में नगर की सुप्रसिद्ध कृष्ण दीवानी-स्वररागिनी भजन ग्रुप की चंचल सोनी एवं शालिनी शर्मा द्वारा सुमुधुर भजन संध्या आयोजित की जाएगी, जिसमें सेंकड़ों भक्तगणों की उपस्थिति रहने वाली है। इस महोत्सव के निमित्त मंदिर परिसर को भी गुब्बारों से आकर्षक और नयनाभिराम रूप से सजाया गया है। मंदिर समिति के सह सचिव सुरेश वैष्णव ने बताया कि आज आयोजित होने वाले भव्य नन्द महोत्सव मे बालस्वरूप कान्हा जी के दर्शन उपस्थित सभी भक्तगणों को होने वाले हैं। दोपहर 3 बजे से संगीतमय भजन संध्या का प्रारम्भ होगा। कृष्ण-राधा बने बालक-बालिकायों को विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। कार्यक्रम में कान्हा जी को मक्खन मिश्री का भोग लगाकर खिलौने और चॉकलेट के साथ बधाई रूपी प्रसाद भक्तों को वितरित किया जाएगा। भजन संध्या के बाद सायं को को महाआरती होगी। उन्होने नगर के सभी धर्मप्रेमी भक्तगणों विशेष रूप से मातृशक्ति से विनम्र निवेदन किया है कि अधिकाधिक संख्या में आप सपरिवार पधारें और इस उत्सव का आनन्द लेकर माँ आशापुरा, पंचमुखी बालाजी महाराज एवं श्री लड्डू गोपाल जी का आशीर्वाद लेकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

सोशल मीडिया मनुष्य को अपना गुलाम बना रही है : एसपी बिश्नोई

एसपी बिश्नोई ने किया साइबर सुरक्षा के प्रति जागरुक

अजमेर, (कासं)। राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल अजमेर के सभागार में शनिवार को पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा समस्त स्टाफ को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने के लिए चेताया।

■ बिश्नोई ने संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया व्यक्ति के जीवन को सुविधा संपन्न तथा आराम दायक बनाने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफार्म है, परंतु दुःखद बात यह है कि यह मनुष्य को अपना गुलाम बना रही है

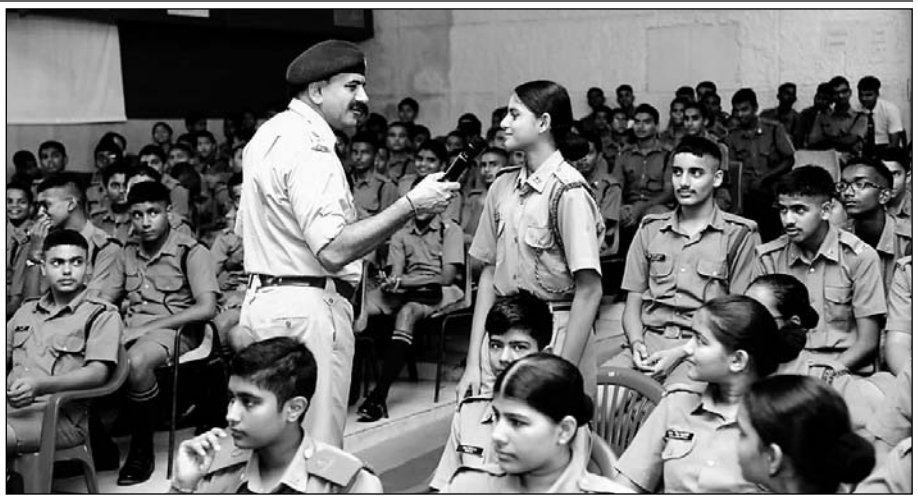

जागरुक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी विश्नोई।

एसपी देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया व्यक्ति के जीवन को सुविधा संपन्न तथा आराम दायक बनाने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफार्म है, परंतु दुःखद बात यह है कि यह मनुष्य को अपना गुलाम बना रही है। साइबर अपराधी इसका भरपूर दुरुपयोग कर रहे हैं और लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों को कौवे की सी चेष्टा, बगुले का ध्यान, कुत्ते की तरह नींद तथा अल्पाहार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साइबर ठगों का शिकार होने से बचने के लिए अति आवश्यक है कि उनके द्वारा दिए गए लालच में बिल्कुल न फंसे। अपने घर के संस्कार इतने उत्तम हों कि बेटे तथा बेटियाँ परिवार के मुखिया की बात मानें। घर के सदस्य आपस में बातचीत करें। मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग में समय की बरबादी से बचें। कार्यक्रम के आयोजन में सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश जैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी मेजर अजय देशपांडे ने पुलिस अधीक्षक के भाषण की सराहना की। एसपी देवेंद्र विश्नोई और प्रकाश जैन का स्मृति चिह्न भेंट कर आभार जताया।

खाता खोलने हेतु विशेष अभियान

ब्यावर, (निसं)। भारतीय डाक विभाग भारत सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत 01 से 30 सितम्बर तक सुकन्या समृद्धि खाते खोलने हेतु विशेष अभियान प्रारम्भ करने जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत ब्यावर मण्डल की अधीन सभी डाकघरो मे सुकन्या समृद्धि खाते खोलने हेतु विशेष काउन्टर की व्यवस्था की गई है।इसके साथ ही विशेष कैम्प एवं मेलो का भी आयोजन भी पूरे सितम्बर माह में किया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत डाक विभाग के कर्मचारियों द्वारा घर घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया जायेगा एवं सुकन्या समृद्धि खाता खोले जायेंगे। इसके अतिरिक्त आगनबाडी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, चिकित्सालय से सम्पर्क किया जायेगा एवं जन प्रतिनिधि, भामाशाहों एवं सामाजिक संस्थाओं से इस योजना के अंतर्गत अधिकाधिक खाते खुलवाने हेतु आम जन को प्रेरित करने हेतु आग्रह किया जायेगा। विजय सिंह जैन, अधीक्षक ब्यावर मण्डल ने बताया कि ब्यावर मण्डल द्वारा लगभग 70.000 से अधिक सुकन्या समृद्धि खाते खोले जा चुके है। यह खाता 10 वर्ष तक की बालिकाओं का खोला जा सकता है। यह योजना भारत सरकार की सर्वाधिक ब्याज देने वाली योजना है। इस योजना में जमा राशि पर अभिभावको को आयकर में छूट है तथा किया गया निवेश शत् प्रतिशत सुरक्षित है।

नाम परिवर्तन

मेरा सही व वास्तविक नाम तेजु पुत्र रतन है जबकि मेरी एल आई सी पॉलिसी संख्या 187894497 में मेरा नाम तेजु जी खारोल पुत्र छगना जी खारोल दर्ज है जो गलत है। मेरी एल आई सी पॉलिसी में मेरा सही नाम तेजु पुत्र रतन दर्ज कर भविष्य में इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय श्रीमान ADJ सा Ist स्थान
परबतसर
मुकेश कुमार पुत्र श्रवणलाल कुम्हार
(प्रजापत) निवासी पीलवा तहसील परबतसर
वाद/प्रार्थना पत्र
372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
प्रार्थना-पत्र संख्या 5 सन् 24

नाम सर्व साधारण पुत्र..... जाति.....पता.....प्रार्थीगण.....ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि प्रार्थी के पिता के बैंक में जमा राशि हेतु उत्तराधिकारी घोषित किया जावे। अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 6 माह 9 सन् 2024 को 10.30 A.M. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 20 माह 08 न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई। आदेशानुसार
रीडर अपर जिला न्यायाधीश संख्या-1
परबतसर जिला नागौर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की अर्जुनलाल सेठी नगर योजना के 7 आवासीय / व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 231 क्षेत्रफल 213.33 वर्गगज के आवंटी / अन्तरिति श्री 7 भूपेन्द्र कुमार बोहरा पुत्र श्री बुधराज प्रजापति निवासी अजमेर की मृत्यु दिनांक 29/09/2021 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमश (1) श्रीमती सोनु भूपेन्द्र बोहरा पत्नि स्व. श्री भूपेन्द्र कुमार बोहरा (2) चिराग बोहरा (नाबालिक) पुत्र स्व. श्री भूपेन्द्र कुमार बोहरा, (3) युवान बोहरा (नाबालिक) पुत्र स्व. श्री भूपेन्द्र कुमार बोहरा निवासी (समस्त तीनों) 231, अर्जुनलाल सेठी नगर, अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/नामा./2023/2351 **आम सूचना** दिनांक : 14.8.2024

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
68	भंवरसिंह सोलंकी पुत्र नारायण सिंह उर्फ छितर सिंह	वैभव विहार बिजयनगर ख.सं. 4122, 4454/4121, 4460/4098, 4096 भू.से. 98	89.18 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

गौवंश से भरा कंटेनर पकड़ा, 11 गौवंश मृत मिले व अन्य गौवंश को छुड़वाया

वाहन चालक एवं खलासी को पकड़ने के दौरान कुछ चोट आने पर उनको चिकित्सालय में भर्ती कराया

मसूदा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के ग्राम कानपुरा जाटान के पास शुक्रवार देर रात्रि को गौ सेवकों ने गौ वंश से भरे कंटेनर को पकड़ा। मौके पर 11 गौवंश की मौत हो गई एवं काफी संख्या में गौवंश को छुड़वाया।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कुशलपुरा के पास से कुछ लोग दो तीन दिन से गांव के आसपास घूम रही आवारा गायों को एक कंटेनर में भरकर भेजने की फिराक में थे, जिसकी जानकारी गौ सेवकों को मिलने पर गौ सेवक लगातार अपनी नजर रख रहे थे। शुक्रवार देर रात्रि को एक कंटेनर को बुलाकर आवारा गौवंश को उसमें ठूंस-ठूंस कर भरा दिया एवं मौके से रवाना कर दिया गया। जानकारी मिलने पर गौ सेवक मौके पर पहुंचे एवं गाड़ी की पीछा कर ग्राम कानपुरा जाटान के पास पकड़ा। मौके पर ट्रक पर लगे तिरपाल को खोलने पर करीब 11 से ज्यादा गौवंश मृत मिली एवं अन्य गौवंश को छुड़ाया गया। वाहन रूकवाने के दौरान कंटेनर चालक ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। वाहन रूकने पर वाहन चालक एवं खलासी को पकड़ने के दौरान कुछ चोट आने पर उनको उपचार के लिए मसूदा चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर मसूदा थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे। कंटेनर चालक मध्य प्रदेश के मंदसौर ग्राम मुलस्तानपुरा निवासी शाहिद, जबकि खलासी भीलवाड़ा के चापरेल निवासी बाबूलाल बंजारा बताया जा रहा है। इनका मसूदा चिकित्सालय डॉक्टरों द्वारा उपचार किया गया। कानपुरा जाटान के पास अवैध तरीके से ले जा रहे गौवंश का ट्रक पकड़ने की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गौवंश की देखभाल शुरू कर गौवंशों को कंटेनर से नीचे उतरा गया। शनिवार को मसूदा पुलिस द्वारा मृतक गौवंश का पोस्टमार्टम करवाकर सभी को एक गड्ढा खुदवाकर अंतिम संस्कार किया गया। वही दो आरोपी पुलिस द्वारा मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय पुलिस की गाड़ी से भाग छूटे गौतस्करों की पुलिस तलाश कर रही है। मसूदा गौसेवकों द्वारा मसूदा उपखंड अधिकारी एवं मसूदा पुलिस उप अधीक्षक मसूदा को राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम लिखित ज्ञापन दिया। ज्ञापन में गो सेवकों ने घटना की पूरी जानकारी दी और बताया कि मसूदा पुलिस के कार्मिक द्वारा उन दो गोतस्करों को मेडिकल के बहाने ले जाया गया और फिर वह तस्करों से मिलीभगत करके उन दोनों गोहत्यारों को भगा दिया गया। पहले भी मसूदा पुलिस थाने के कार्मिक इन गोतस्करों को बचाने में उनकी पूरी मदद कर चुके हैं। मसूदा पुलिस थाने के कार्मिकों के ऐसे व्यवहार को लेकर मसूदा क्षेत्र के लोगों एवं गौसेवकों की टीम में भारी आक्रोश व्याप्त है। गौसेवकों ने गौहत्यारों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।

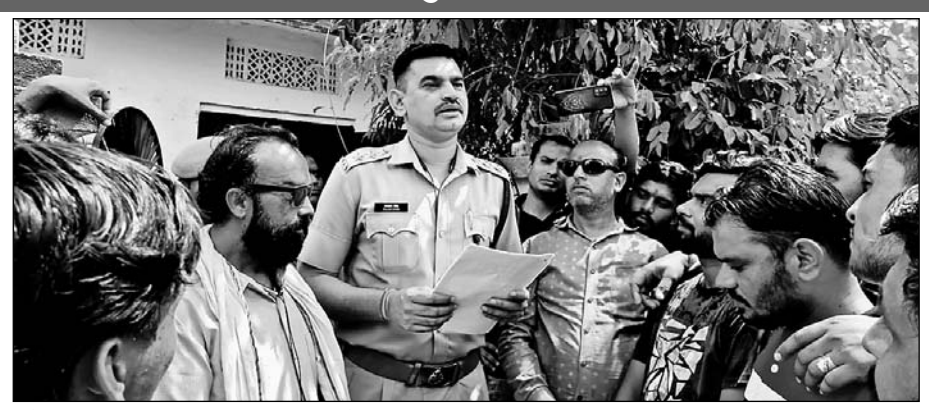

गौतस्करों की पुलिस तलाश कर रही है।

- वाहन रूकवाने के दौरान कंटेनर चालक ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई

दिव्य सन्तान प्रकल्प की सेमिनार का आयोजन

बिजयनगर, (निसं)। बिजयनगर में दिव्य संतान प्रकल्प की प्रथम बैठक व सेमिनार गोयल हॉस्पिटल मील चौक में आयोजित की गई। क्या इच्छित संतान संभव है ? विषय पर शुक्रवार सेमिनार के मुख्य वक्ता परमेश्वरीदेवी जानकीबल्लभ दानी चैरिटेबल ट्रस्ट इंदौर के विशेषज्ञ प्लास्टिक सर्जन डॉ अनिल गर्ग रहे। डॉ अनिल गर्ग के द्वारा वर्तमान समय की जवलंत समस्या संस्कारयुक्त संतान का न होना,समाज मे राष्ट्रवादी भावना का अभाव होना जैसे गंभीर समस्या पर अपना शोध व विषय परअपना उद्बोधन दिया।

डॉक्टर अनिल गर्ग द्वारा बताया गया कि किस तरह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि गर्भ धारण के साथ ही हमारे आहार व्यवहार वातावरण का अगर शिशु पर यदि सकारात्मक प्रयोग किया जाए तो ऐसी संतान होगी जो ओजस्वी बुद्धिमान संस्कारों सहित होगी जिसकी आज देश को महती आवश्यकता है। प्राचीन काल से जितने भी महापुरूष और विदुषी महिलाएं हुई है उनके जीवन पर कई गहन रिसर्च व अध्ययन के पश्चात यह प्रमाणित हुआ है कि दिव्य सन्तान को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में डॉ. राजेश अग्रवाल, डॉ कल्पना अग्रवाल, आदि ने प्रबुद्धजनों ने भाग लिया।

सार-समाचार

आत्महत्या के मामले में पति को जेल

कपासन, (निसं)। दहेज की प्रताड़ना के मामले में पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपी को दोषी मानते हुए एडीजे कोर्ट ने 5 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। मामला 9 साल पहले का है। मामले के अनुसार 3 नवंबर 2015 को गांव धमाना निवासी नाजनीन बानो पत्नी नदिम उर्फ बाबू खां ने घर पर फंदे में लटक कर आत्महत्या कर ली थी। जिस पर उसके पिता गांव कुराबड (उदयपुर) निवासी फय्याज मोहम्मद पुत्र फतेह मोहमद ने कपासन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जिसमें बताया गया कि उसकी बेटी नाज़नीन की शादी नदीम उर्फ बाबू खां के साथ 5 साल पहले करवाई थी। शादी के बाद से उसका पति उसे दहेज के लिए लड़ाई झगड़ा कर प्रताड़ित करता था। उसके एक पुत्र और एक पुत्री है। एक दिन उसकी बेटी ने बताया कि उसके साथ मारपीट की जा रही है। इसके बाद उन्हें बेटी की मौत की सूचना मिली। जिस पर वे कपासन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस ने जांच कर आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान एडीजे डॉ महेंद्र सोलंकी ने नदीम उर्फ बाबू खां पुत्र हामिद को दोषी पाया और उसे पांच साल का कठोर कारावास की सजा के साथ 25 हजार के अर्थ दंड की सजा सुनाई।

सज्जनगढ़ में अतिक्रमण हटवाये

बांसवाड़ा, (निसं)। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने सज्जनगढ़ में अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही की। सार्वजनिक स्थानों पर हुए अवैध अतिक्रमणको हटाकर जनसाधारण को सुविधा एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्यवाही की गयी। इस दौरान डॉ. पवन ने स्थानीय लोगों को जागरूक रहने की अपील की वहीं अतिक्रमियों को चेतावनी दी कि भविष्य में वे ऐसी अवैध गतिविधियों से बचें। उन्होंने साफ कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी ऐसी कार्यवाही की जायेगी और अवैध अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। कार्यवाही में उपखंड अधिकारी दिनेश कुमार मीणा, तहसीलदार परमजीत सिंह भाटी, विकास अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा, पुलिस बल, राजस्व मय पंचायतीराज की टीम शामिल रही।

मूकबधिर विद्यालय में भेंट की एलईडी

बांसवाडा, (निसं)।शौर्य फाउंडेशन की ओर से राजकीय बधिर माध्यमिक विद्यालय लोधा में 50 इंच की एलईडी भेंट की गयी। फाउंडेशन के प्रोजेक्ट निदेशक दिलीप कुमार दवे के निर्देशन, जिला परियोजना समन्वयक जीगर भट्ट, किशोर पाटीदार, सुखलाल रावत, प्रेरक शैलैष भट्ट कोकापुर व खुशवंत पाटीदार ने डिजिटल शिक्षा को बढावा देने के उद्देश्य से यह एलईडी भेंट की। दवे ने बताया कि शौर्य फाउंडेशन क्वालिटी एजुकेशन परियोजना के आधार स्तम्भ की बुनियाद सृजन के लिये राज्य के आदिवासी बाहुल्य जनजाति उपयोजना क्षेत्र में शिक्षा विभाग, शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन के लिये प्रयासरत है। जिले के अन्य प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं समाज कल्याण विभाग के छात्राओं को चिह्नित कर इस योजना से जोडकर रंगरोगन, पेपरलेस, स्वच्छता पर बल देते हुए क्वालिटी इंफ्रुवमेंट से जोडेगा। इस अवसर पर संस्था प्रधान विनय व्यास, परेश त्रिवेदी, जयप्रकाश पाठक, रंजना यादव, ममता सौलंकी, अशोक मेहता, वार्डन भवान सिंह एवं प्रियंका डामोर मौजूद रहे।

संरपच संघ ने सौंपा ज्ञापन

कपासन (निसं)। संरपच संघ ने शुक्रवार को सरपंचों का कार्यकाल एक साल बढ़ाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन विधायक अर्जुनलाल जीनगर को सौंपा। स्थानीय ब्लॉक सरपंच संघ अध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने बताया कि राशमी, भुपालसागर और भदेसर पंचायत समिति क्षेत्र के सरपंचों ने विधायक अर्जुनलाल जीनगर के आवास पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में संरपचों का कार्यकाल साल 2020 में शुरू हुआ था। साल 2020-2021 में कोविड जैसी महामारी के आने से दो वर्ष तक कोरोनाकाल की गाईडलाईन और महामारी में समय निकल गया। जिससे सभी पंचायतों में विकास कार्य नही हो सकें। वर्तमान में राज्य सरकार के द्वारा घोषणा की गई की एक राज्य एक चुनाव के अंतर्गत नगरपालिका, जिला परिषद, पंचायत समिति और पंचायतों के चुनाव एक साथ कराये जाने की कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। ज्ञापन में मांग की गई कि सरपंचों का कार्यकाल एक साल बढ़ाया जाए।

बैठक व शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

राजसमंद,(निसं)। राष्ट्रीय नाई महासभा का आयोजित शपथ ग्रहण समारोह व बैठक नगर परिषद सभागार में शनिवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश प्रधान महासचिव रोहिताश सेन, विशिष्ठ अतिथि फरारा मंडल अध्यक्ष सम्पतलाल सेन, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश सेन, प्रदेश महासचिव राकेश वर्मा, प्रहलाद सेन, प्रदेश सचिव हुक्मीचंद सेन, केकडी जिलाध्यक्ष बद्री विशाल सेन थे। जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बाबू लाल सेन भावा ने की। शुरूआत में सेनजी महाराज की छवी पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पदाधिकारियों ने इकलई व साफा पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता रोहिताश ने महासभा के विगत वर्षों से किए जा रहें सेवा कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराते हुए दी व सेन समाज मे शिक्षा को बढावा देने, सामाजिक कुरीतियों को मिटाने का आव्हान किया।

शिक्षक संघ की बैठक आज

बांसवाडा, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की जिला बैठक राउमावि नूतन मोहन कॉलोनी परिसर में प्रदेश द्वारा नियुक्त निर्वाचन अधिकारी व प्रदेश उपाध्यक्ष ऋषिन चौबीसा के सानिध्य में होगी। बैठक में जिले के प्रदेश, जिला कार्यकारिणी सदस्य, जिला संगठन मंत्री, समस्त उपशाखाध्यक्ष व मंत्री, कोषाध्यक्ष, संयोजक एवं सहसंयोजक सहित वरिष्ठ पदाधिकारी सम्मिलित रहेंगे। जिला संयोजक दिनेश मईडा ने बताया कि बैठक में उपशाखा निर्वाचन, जयदेव पाठक जन्म शताब्दी कार्ययोजना, उपशाखा अंकेक्षण, सदस्यता अभियान, शिक्षकों की समस्याओं पर मंथन एवं आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की जायेगी। साथ ही संगठन को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रमोट करने एवं अधिकारी व जनप्रतिनिधियों के साथ फोल्डर संवाद कार्यक्रम की समीक्षा कर मंथन किया जायेगा।

अपनी ओर अंगुली उठाने का पर्व है पर्युषण : मनोहर श्रीजी

अजमेर, (कासं)। जैन समाज का महापर्व पर्युषण शनिवार से शुरू हुआ। जैन मंदिरों, तीर्थ क्षेत्रों में पर्व को लेकर काफी उत्साह है। पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस पर दादाबाड़ी स्थित खरतरगच्छाचार्य श्री जिनदत्तसूरि धर्मसभा का आयोजन शतावधानी साध्वी मनोहरश्रीजी महारासा के सान्निध्य में शुरू हुआ।

पर्युषण महापर्व हमें आत्मा के पास रहकर आत्म कल्याण का सन्देश देता है। अपने अन्दर झांककर देखने का पर्व है पर्युषण। अपनी ओर अंगूली उठाने का पर्व है पर्युषण। हम क्या है, कैसे है, हमारे भीतर कितने राग-द्वेष है, यह देखने का पर्व है पर्युषण। पर्युषण पर्व अपने अवगुणों को ढूंढकर उन्हे दूर करने का अवसर प्रदान करता है। उक्त विचार शतावधानी साध्वी मनोहरश्रीजी महारासा ने शनिवार को पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस खरतरगच्छाचार्य श्री जिनदत्तसूरि दादाबाडी में आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

- जैन समाज का पर्युषण महापर्व शुरू

श्री जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ के सुशील वेद ने बताया कि पर्युषण महापर्व के अवसर पर दादाबाड़ी में प्रात: संगीतमय स्नात्र पूजा आयोजित हुई जिसमें श्रावक-श्राविकाओं ने पूजा अर्चना की। सायंकाल साध्वी मनोहर श्रीजी महारासा के सानिध्य में सामूहिक प्रतिक्रमण और रात्रि आठ बजे से दादागुरुदेव की भक्ति और आरती का आयोजन सम्पन्न हुआ। धर्मसभा को साध्वी निरन्जना श्रीजी, काव्यप्रभा श्रीजी, डॉ. मधुस्मिता श्रीजी, डॉ. स्मितप्रज्ञा श्रीजी, प्रशमरसा श्रीजी, आदर्शप्रज्ञा श्रीजी, पावनरेखा श्रीजी ने भी सम्बोधित किया। दादाबाड़ी में रविवार को प्रात: 9 बजे से कल्पसूत्र और ज्ञान की बोलियो के साथ युगप्रधान दादा श्री मणिधारी जी की स्वर्ग जयन्ति का आयोजन होगा।

श्रीविजय कलापूर्ण सूरि जैन आराधना भवन हुए धार्मिक आयोजन:

मंत्री पूनमचंद करनावट ने बताया कि पुष्कर रोड स्थित श्रीविजय कलापूर्ण सूरि जैन आराधना भवन में श्री जैन श्वेतांबर तपागच्छ संघ अंतर्गत आठ दिवसीय आत्म शुद्धि का पर्व पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व सागरानंद सूरि समुदाय वर्ति साध्वी जिग्नेश रत्ना श्रीजी एवं जिनेश रत्ना श्रीजी के सानिध्य में धार्मिक आयोजन के साथ मनाया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

ब्यावर, (निसं)। शनिवार को देलवाड़ा रोड स्थित राजकीय सनातन धर्म उच्च माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय खेल सप्ताह के तहत आयोजित जिला स्तरीय खेल स्पर्धाओं का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि तहसीलदार लालाराम यादव,कार्यक्रम अध्यक्ष जिला खेल प्रकोष्ठ प्रभारी गोविंद सैनी,विशिष्ट अतिथि राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद हनीफ खां, प्रधानाचार्य रमेशचंद दाधीच व पार्षद हेमंत कुमावत ने मां शारदा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया।प्रधानाचार्य एवं संयोजक दिनेश कुमार व उप प्रधानाचार्य अनीता गर्ग ने अतिथियों का फूल माला व साफा पहना एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में छात्र देशराज ने एकल नृत्य की प्रस्तुति दी।

क्विज प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन

शाहपुरा, (निसं)। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल शाहपुरा में भारतीय मानक ब्यूरो शाखा जयपुर द्वारा गठित मानक क्लब में मानक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

प्रतियोगिता में मानक क्लब के 60 सदस्य विद्यार्थियों ने भाग लिया । विद्यालय के मानक क्लब के मेंटर डॉ. राजेश कुमार धाकड़ ने विद्यालय में गठित मानक क्लब के उद्देश्य एवं भारतीय मानक ब्यूरो के इकोमार्क, हॉलमार्क, रजिस्ट्रेशन नंबर, आईएसआई मार्क की जानकारी देते हुए उत्पादों की शुद्धता और उनके मानकीकरण एवं गुणवत्ता की पहचान पर व्याख्यान दिया। उन्होंने मानक क्लब सदस्यों को जागरुक करते हुए सोने व चांदी के आभूषणों पे हॉलमार्क, सोने की शुद्धता और एचयूआईडी नंबर की जानकारी दी साथ ही घर में काम आने वाले विभिन्न उपकरणों जैसे गैस सिलेंडर, रेगुलेटर, बिजली सामग्री एवं हेलमेट पर लगे आईएसआई मार्क, रजिस्ट्रेशन एवं सीएमएल नंबर और भारतीय तिरंगे के मानकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपने परिवार में मित्रों को बिस केयर ऐप डाउनलोड करवा कर जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थी सपना गुर्जर, द्वितीय स्थान पर विशाखा तोलानी, तृतीय स्थान पर रिषिका जैन और चतुर्थ स्थान पर शिवांशी माहेश्वरी रहे । अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य ईश्वर लाल मीणा ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया और भारतीय मानक ब्यूरो के बारे में जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि अपने आसपास के लोगों तथा घर के सदस्यों को जागरूक करें।

अजमेरू स्वयंसिद्धा मेले का शुभारंभ आज

अजमेर, (कासं)। अजमेर के वैशाली नगर स्थित अरबन हाट में स्वयंसिद्धा मेला एवं छात्राओं के इंटर कॉलेज फेट का शुभारंभ रविवार को होगा। लघु उद्योग भारती की अजमेर महिला इकाई के इस आयोजन का उद्घाटन मेयर ब्रजलता हाड़ा करेंगी। लघु उद्योग भारती प्रांत अध्यक्ष पवन गोयल उदघाटन समारोह की अध्यक्षता करेंगे। अजमेर जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र की सहायक आयुक्त टीनू शर्मा खास मेहमान होंगी। इसके अलावा स्वयंसिद्धा आयाम अखिल भारतीय प्रभारी अंजु सिंह एवं लघु उद्योग भारती की जयपुर प्रांत महामंत्री सुनीता शर्मा, अजमेर महिला इकाई संरक्षक मृदुला मित्तल सहित लघु उद्योग परिवारों से जुड़े अनेक गणमान्य सदस्य समारोह में शामिल होंगे।

लघु उद्योग भारती महिला इकाई की अध्यक्ष सीए दिव्या सोमानी ने बताया कि सात दिवसीय स्वयंसिद्धा मेले की सुरक्षा एवं व्यवस्थागत सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मेला सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे आमजन के लिए खुला रहेगा। अजमेरवासी मेले से हस्तनिर्मित कलात्मक, सजावटी एवं जरूरत की सामग्री अपने लिए खरीद सकेंगे। सचिव अंकिता कुमावत ने बताया इस मेले का उद्देश्य महिला उद्यमियों और युवा नवप्रवर्तकों के लिए अपने उत्पादों, विचारों और प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का एक जीवंत मंच उपलब्ध कराना है। कोषाध्यक्ष ने बताया कि मेले का आकर्षण अमृतसर, जयपुर, कोटा, बीकानेर, जोधपुर, किशनगढ़, पुष्कर सहित विभिन्न शहरों के प्रतिभागियों की अनेक स्टाल होंगी।

- छात्राओं का इंटर कॉलेज फेट का आयोजन अरबन हाट में

ठीकराना पंचायत भवन परिसर में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

ब्यावर, (निसं)। सेंदड़ा रोड़,साईनाथ नगर स्थित ग्राम पंचायत ठीकराना पंचायत भवन परिसर और आसपास के क्षेत्र में वृहद पौधारोपण का कार्य पिछले दिनों से ज़ारी है। आज पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार तंवर द्वारा भी इस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाते हुए पौधारोपण किया गया।तंवर का माला और साफा पहनाकर किशोर सिंह कछवाहा और फ़ैयाज़ खान ने भावपूर्ण स्वागत और अभिनंदन किया।

गौरतलब है की पुरे परिसर और क्षेत्र में कुल 100 फलदार और छायादार पौधे आंवला, नीम, आम, अमरुद, जामुन आदि लगाने का लक्ष्य है।इस कार्य में आर्थिक सहयोग करने वाले भामाशाह किशोर सिंह कछवाहा ने बताया की सभी पौधे ट्री गार्ड सहित लगाए जा है और उनकी देखभाल पुरे तीन साल तक नियमित रूप से की जायेगी जिससे सभी पौधे पूर्णतया विकसित हो।अधीक्षण अभियंता तंवर ने कहा की मैंने सोचा भी नहीं था की पंचायत भवन का पूरा परिसर इतने सुंदर और सलीके से एक मनमोहक उद्यान के रूप में होगा इसके लिए उन्होंने किशोर सिंह कछवाहा और सरपंच प्रतिनिधि फ़ैयाज़ खान को बहुत बहुत बधाई दी।कार्यक्रम में उपस्थित साईनाथ नगर के वाशिदों ने तंवर से विशेष निवेदन किया की क्षेत्र में सरल आवागमन हेतु सड़क व्यवस्था की बहुत कमी खलती है जिसे आपके निर्देशन और सहयोग से कार्य करवाया जाय जिसके लिए भी उन्होंने पूरा विश्वास दिलाया की शीघ्र ही इस समस्या का समाधान करने का पूरा पूरा प्रयास किया जाएगा। पौधारोपण के पश्चात तंवर ने समीप ही श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर के भी दर्शन किये और कहा की नई तकनीक से निर्माण किये जाने सी मंदिर की भव्यता में बहुत निखार आया है। कार्यक्रम में लादूराम साईनाथ नगर से रामचंद्र सेवा निवृत मैनेजर, पुरुषोत्तम वर्मा, शंभू लाल वर्मा, प्रदीप, मुकेश सिंह, युधिष्ठिर सिंह, मोहनलाल गुर्जर आदि उपस्थित थे।

पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार तंवर ने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाते हुए पौधारोपण किया

भर्ती कैंप 2 से

अजमेर, (कासं)। रोजगार कार्यालय एवं जीडीएक्स ग्रुप नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती कैंप 2 सितम्बर से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई में आयोजित किया जाएगा।

जीडीएक्स सिक्यूरिटी प्रशिक्षण केन्द्र नोएडा के भर्ती अधिकारी राजेन्द्र कुमार सरगरा ने बताया कि आगामी 2 सितम्बर को आईटीआई ब्यावर, 3 सितम्बर को आईटीआई किशनगढ़, 4 सितम्बर को आईटीआई मसूदा, 5 सितम्बर को आईटीआई टाटोटी, 6 सितम्बर को आईटीआई नसीराबाद, 7 सितम्बर को आईटीआई अजमेर में भर्ती कैंप आयोजित होंगे। भर्ती कैंप का समय प्रात: 11 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक रहेगा। सुरक्षा जवान के लिए 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बेरोजगार युवा की उम्र 18 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अभ्यर्थी की ऊंचाई 168 सेमी एवं वजन 52 से 90 किलोग्राम हो। इसी प्रकार सुपरवाइजर पद के लिए स्नातक योग्यताधारी कम्प्यूटर के जानकार की उम्र 25 से 45 वर्षए ऊंचाई 172 सेमी और वजन 60 से 90 किलो होना आवश्यक है। अभ्यर्थी अपनी 10वीं सहित समस्त शैक्षिक एवं प्रशैक्षिक योग्यता की अंकसूची, आधार कार्ड की फोटो कॉपी एवं एक पासपोर्ट साईज फोटो के साथ भर्ती कैंप में उपस्थित सकते हैं।

अजमेर में आदिनाथ कैंसर मेडिसिटी में नई रेडियोथेरेपी मशीन का लोकार्पण

एक ही छत के नीचे मरीजों को मिले रेडियोथैरेपी, कीमो थैरेपी और सर्जरी की सुविधा

अजमेर, (कासं)। अजमेर के चाचियावास स्थित आदिनाथ कैंसर मेडिसिटी बीआर शास्त्री सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी मशीन का शनिवार को उद्घाटन राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल ने फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि देश में कैंसर बीमारी विकराल रूप लेती जा रही है, आम चर्चा है कि भारत कैंसर की राजधानी बन रहा है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचने के लिए खान-पान के साथ लोगों में जागरूक होना अति आवश्यक है। मेरा भी पुराना सपना था कि अजमेर में कैंसर हॉस्पिटल की व्यवस्था हो, जो आज अजमेर में कैंसर मेडिसिटी शुरू होने से अजमेर के मरीजों को लाभ होगा और बेहतर उपचार मिल सकेगा। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वे बीमारी के प्रथम स्तर पर पता चलने पर इलाज कराए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि स्वस्थ्य भारत रहे उसमें हम आगे बढ़े। अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की विधायक अनिता भदेल ने कहा कि एक ही छत के नीचे मरीजों को रेडियोथैरेपी, कीमो थैरेपी और सर्जरी की सुविधा मिलने से संभाग के कैंसर रोगियों को अब जयपुर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा 20 करोड़ की लागत वाली अत्याधुनिक रेडियोथैरेपी मशीन अजमेर में उपलब्ध नहीं थी, लेकिन आदिनाथ कैंसर अस्पताल में मशीन उपलब्ध होने से अजमेर के मरीजों को लाभ मिलेगा, क्योंकि मरीजों को इलाज के जयपुर जाना पड़ता था।

रेडियोथेरेपी मशीन का लोकार्पण करते देवननी व विधायक भदेल सहित अन्य तथा मशीन के बारे में जानकारी देते हुए चिकित्सक।

आदिनाथ कैंसर मेडिसिटी के डायरेक्टर डॉ. अमित शास्त्री ने कहा कि इस मशीन के अजमेर संभाग में शुरू होने से कैंसर मरीजों को संदेश देना चाहते हैं कि अब कैंसर मरीजों को अपने बेहतर उपचार हेतु अजमेर शहर से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी, कैंसर पीडित् मरीजों के लिए मशीन मिल का पत्थर साबित होगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का आदिनाथ कैंसर मेडिसिटी के डायरेक्टर डॉ.अमित शास्त्री ने राजस्थानी परंपरा अनुसार साफा व माल्यार्पण कर स्वागत किया। विधायक अनिता भदेल डॉ.रिद्धिमा शास्त्री ने दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। आदिनाथ कैंसर मेडीसीटी के डायरेक्टर सुनील जैन और डायरेक्टर डॉ.अर्पित जैन ने भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी, जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अनिल सामरिया, जेएलएन अस्पताल अधीक्षक डॉ.अरविंद खरे का पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया। इस मौके पर चिकित्सक, स्टाफ व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पदोन्नति के लिए महिला-पुरुष जवानों ने लगाई दौड़

अजमेर, (कासं)। राजकीय रेलवे पुलिस के पुरुष एवं महिला कांस्टेबलों ने पदोन्नति के लिए लगभग दो किलोमीटर की दौड़ लगाकर अपनी शारीरिक क्षमता का परिचय दिया। जीआरपी में 112 पदों पर महिला-पुरुषों की पदोन्नति होगी। पदोन्नति के लिए परीक्षाएं भी आयोजित की जा रही है जिसके आधार पर जवानों को हैड कांस्टेबल पद पर पदोन्नति दी जाएगी। जीआरपी के पुलिस अधीक्षक राम मूर्ति ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को हैड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नति हेतु परीक्षा के लिए तीन सदस्यीय बोर्ड बनाया गया है। इसमें आईजी, जीआरपी, पुलिस अधीक्षक जीआरपी एवं एडिशनल एसपी हाड़ीरानी को शामिल किया गया है। शनिवार को सीआरपीएफ ग्रुप संख्या एक के दक्षिणी छोर से प्रारंभ हुई यह दौड़ इंडिया मोटर चौराहा स्थित जीआरपी लाइन पर संपन्न हुई।

पुलिस अधीक्षक राम मूर्ति ने बताया कि आउटडोर प्रतियोगिता के अंतर्गत अन्य गतिविधियों को भी शामिल किया गया है जिसके आधार पर सभी जवानों को अलग-अलग नंबर दिए जाएंगे और इसके उपरांत इसमें सफल पुरुष में महिला कांस्टेबल को हेड कांस्टेबल पद हेतु चयनित कर उसका रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

होमवर्क नहीं करने पर नाबालिग बच्चे को क्लास टीचर ने पीटा

प्राइवेट स्कूल की क्लास टीचर द्वारा मारपीट के बाद से बच्चा डरा सहमा हुआ है

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित एक प्राइवेट स्कूल की क्लास टीचर ने एक नाबालिग बच्चे को होमवर्क नहीं करने पर इस कदर पीटा कि बच्चा दर्द से तड़प उठा और उसके शरीर पर चोट के निशान पड़ गए। मामला जब परिजनों को पता चला तो बात थाने तक जा पहुंची।

- पिता ने प्रिंसिपल से शिकायत की तो कहा कि अगर बच्चे काम नहीं करते हैं तो हम तो उन्हें ऐसे ही मारते हैं

पिता सैयद रईस ने बताया कि मेरा नौ वर्षीय पुत्र सैयद आहान बाबा धाम रोड गायत्री नगर भीलवाड़ा के एक निजी स्कूल में कक्षा चार में अध्ययन करता है, जो रोज नियमित रूप से स्कूल जाता है, लेकिन 8 से 10 दिन पूर्व मेरे पुत्र की तबीयत खराब होने से वह स्कूल नहीं जा पाया जिससे उसका होमवर्क समय पर नहीं हो पाया, जिसके कारण 28 अगस्त को आहान स्कूल गया, जहां स्कूल की एसएसटी क्लास टीचर पूजा ने उनके नाबालिग पुत्र द्वारा समय पर होमवर्क नहीं करने की मामूली बात को लेकर उसके साथ डंडे से गंभीर मारपीट की, जिससे आहान के हाथ में कंधे के पास नील जम गई और अंदरुनी गिठानें बन गई और यही नहीं टीचर ने बेरहमी से पुत्र को थप्पड़ भी मारा और हाथ पर डंडे मारे जिससे उसके अंगूठे में भी अंदरूनी चोट आई है, जिसका उसका अंगूठा भी ठीक से काम नहीं कर रहा है। घटना के बाद से पुत्र काफी डरा हुआ, सहमा हुआ है। घटना के दिन ही शाम को जब आहान ट्यूशन जाने के लिए निकला तो उससे बेग कंधे पर नहीं लिया जा रहा था, तब उसकी मां ने वजह पूछी तो उसने रोते हुए सारी घटना बताइ और चोटें दिखाई। पिता ने स्कूल जाकर प्रिंसिपल से शिकायत की तो उन्होंने ही कहा कि अगर बच्चे काम नहीं करते हैं तो हम तो उन्हें ऐसे ही मारते हैं। तुम तुम्हारे बच्चे को यहां पढ़ना है तो पढ़ाओ नहीं तो यहां से लेकर जाओ और मुझे अभद्र व्यवहार कर स्कूल से निकलवा

मैं आपसे अपील कर रही हूं। मैं एथलीट हूं, मैं पूरे देश की हूं। किस प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं इससे मेरा कोई मतलब नहीं होता है। मैं बस इतना जानती हूं कि मेरे देश के किसान मुश्किल में हैं। – **विनेश फोगाट**

भारतीय रेसलर, भविष्य की रणनीति के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

समित द्रविड़

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया 19 के खिलाफ आगामी बहु-प्रारूप घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की 19 टीम में नामित किया गया है। यह पहली बार है जब समित को भारत की 19 टीम में नामित किया गया है। मोहम्मद अम्मान को 50 ओवर की टीम का कप्तान बनाया गया है। अम्मान मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं और उत्तर प्रदेश (यूपी) के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। चार दिवसीय श्रृंखला के लिए सोहम पटवर्धन को कप्तान घोषित किया गया है। पटवर्धन घरेलू क्षेत्र में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

बडोनी ने टी-20 की एक पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा

आर्य ने एक ओवर में छह छक्के लगाए

नई दिल्ली, 31 अगस्त। आयुष बडोनी (165) ने 19 छक्कों के साथ किसी टी20 पारी का नया रिकॉर्ड कायम किया तो वहीं प्रियांश आर्य (120) ने एक ओवर में छह छक्के लगाए जिससे साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में शनिवार को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ पांच विकेट पर 308 रन बनाये। यह टी20 मैच का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ी आर्य ने साउथ दिल्ली की पारी के 12वें ओवर में छह छक्के लगाये लेकिन बडोनी ने उनसे ज्यादा आक्रामक बल्लेबाजी की। इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले बडोनी ने 19 छक्के जड़े जो टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी 55 गेंद की पारी में आठ चौके भी लगाये। टी20 मैच की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम था। दोनों बल्लेबाजों ने एक समान 18 छक्के लगाये थे। गेल ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग के 2017 सत्र में ढाका डायनामाइट्स के खिलाफ रंगपुर राइडर्स के लिए 69 गेंदों में 146 रन की पारी में पांच चौकों के साथ 18 छक्के लगाए थे जबकि भारतीय मूल के चौहान ने इस साल जून में एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में साइप्रस के खिलाफ एस्टोनिया के लिए 41 गेंदों में 144 रन की पारी के दौरान 18 छक्के लगाए थे।

मेगा नीलामी में ये 3 खिलाड़ी बिक सकते हैं सबसे महंगे

नई दिल्ली, 31 अगस्त। आईपीएल 2025 का क्रिकेट फैंस को बेसब्री से इंतजार है। लेकिन उससे पहले टूर्नामेंट का मेगा ऑक्शन होना है, जिसमें कई टीमों के स्टार खिलाड़ी दूसरी टीम में शामिल हो सकते हैं। आईपीएल 2024 से पहले हुई मिनी ऑक्शन में मिचेल स्टार्क ने आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड कायम किया था। स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा था। मेगा ऑक्शन में तीन खिलाड़ी स्टार्क का ये रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

रोहित शर्मा : भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को लेकर लगातार चर्चाएं हैं कि फ्रेंचाइजी उन्हें आईपीएल 2025 के लिए रिटेन नहीं करेगी। हालांकि, अब तक रोहित के रिलीज होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अगर रोहित शर्मा को रिलीज कर दिया जाता है और उनका नाम मेगा ऑक्शन में आता है, तो उन्हें खरीदने की होड़ सभी फ्रेंचाइजियों में देखने को मिलेगी।

फिल साल्ट : आईपीएल के पिछले सीजन में केकेआर के लिए खेलने वाले फिल सॉल्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 39.55 की औसत और 182.01 के स्ट्राइक रेट से 435 रन बनाए थे। हालांकि, अभी कोलकाता की तरफ से उन्हें रिलीज करने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। लेकिन अगर केकेआर आईपीएल 2025 के लिए सॉल्ट को रिटेन नहीं करती है ।

सैम करन : इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन को पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2023 में 18.50 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा था। इंग्लिश ऑलराउंडर ने कई मौकों पर पंजाब किंग्स की कमान भी संभाली है। ऐसे में पंजाब उन्हें रिलीज करेगी या रिटेन करेगा, इस बारे में तो कुछ नहीं कहा जा सकता है। हां अगर, पंजाब ने उन्हें रिटने नहीं किया तो सैम करन एक बार फिर महंगे बिक सकते हैं।

नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन से बाहर

नई दिल्ली, 31 अगस्त। कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के एक दिन बाद गत चैंपियन नोवाक जोकोविच भी चार सेट तक चले मुकाबले में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रही। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया के 28वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन ने6-4, 6-4, 2-6, 6-4 से हराया। जोकोविच ने मैच के बाद कहा,"ईमानदारी से कहूं तो यह मेरा अभी तक का सबसे खराब प्रदर्शन है।

यह मैच मेरे लिए किसी दुस्वप्न की तरह था। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ के करीब भी नहीं खेल पाया।"' यह 2017 के बाद पहला अवसर है जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच साल में एक भी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट नहीं जीत पाए। इससे पहले 2010 में भी ऐसा हुआ था। यही नहीं यह 2002 के बाद पहला अवसर है जबकि टेनिस के तीन दिग्गज खिलाड़ी जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर में से किसी ने भी किसी एक साल में ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी हासिल नहीं की।

सुकांत सेमीफाइनल एवं मनदीप कौर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

पेरिस, 31 अगस्त। भारतीय बैंडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम ने शनिवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की बैंडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में तथा महिला खिलाड़ी मनदीप कौर ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

सुकांत कदम ने आज पुरुष एकल एसएच4 ग्रुप चरण में थाईलैंड के सिरिपोंग टीमारोप को सीधे गेम में 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बनायी। उन्होंने थाईलैंड के शटलर को 21-12 , 21-12 से हराया। महिला बैंडमिंटन खिलाड़ी मनदीप कौर ने महिला एकल एसएल3 ग्रुप चरण में शानदार जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मनदीप ने मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की विनोट सेलिन ऑरेली के खिलाफ पहला गेम 21-23 से हारने के बाद लगातार दो गेम 21-10 और 21-17 से जीते और मैच 2-1 से जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

इसी तरह पुरुष एकल एसएल3 ग्रुप चरण में भारतीय खिलाड़ी नितेश कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा एवं अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने थाईलैंड के बन्सन मोंगखोन को सीधे गेम में 2-0 से हराया। नितेश कुमार ने आज खेले गए मैच में मोंगखोन को 21-13 , 21-14 से हराया।

वहीं पुरुष एकल एसएल3 ग्रुप चरण के एक अन्य मुकाबले में मनोज सरकार नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। चीन के जियानयुआन यांग के खिलाफ 2-0 की जीत के बावजूद मनोज नॉकआउट चरणों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। उन्हें अपने ग्रुप में तीसरा स्थान मिला।

ग्रुप से शीर्ष दो खिलाड़ी अगले दौर के लिए क्वालीफाई हुए। इसी तरह भारतीय खिलाड़ी तरुण ढिल्लन को आज खेले गए पुरुष एकल के एसएल4 ग्रुप चरण मैच में हार का सामना करना पड़ा। तरुण को फ्रांस के लुकास माजुर ने 2-0 से हराया। इस हार के साथ तरुण का पैरालंपिक अभियान समाप्त हो गया।

हरभजन सिंह की दो टूक, भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने पर

नई दिल्ली, 31 अगस्त। अगले साल मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया जाएगा। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, हालांकि टीम इंडिया टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाएगी या नहीं इस पर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

बीसीसीआई साफ कह चुका है कि भआरतीय खिलाड़ियों के पाकिस्तान जाने पर फैसला सरकार करेगी।वहीं, भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने इस पूरे मामले पर बेबाक तरीके से अपनी राय रखी है। भज्जी का कहना है कि जब तक सुरक्षा चिंताएं दूर न हों तब

तक भारतीय खिलाड़ियों को पाकिस्तान बिलकुल नहीं जाना चाहिए। हरभजन ने स्पोर्ट्स तक से कहा कि, सुरक्षा को लेकर चिंताएं वहां रही हैं। अगर वहां खिलाड़ियों की सिक्योरिटी नहीं होगी तो मुझे नहीं लगता कि जाना चाहिए।

अगर वे कहते हैं कि टीमों को फुल सिक्योरिटी दी जाएगी और कोई दिक्कत नहीं है तो फिर जो सरकार सोचे वो ठीक है। दरअसल, ये सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। ये उसके पार है। मैं बतौर क्रिकेटर यही कह सकता हूं कि क्रिकेट खेलना है, खेलिए लेकिन वहां सुरक्षा को लेकर चिंता तो है। हमारे खिलाड़ियों को तब तक वहां नहीं जाना चाहिए, जब तक हमें लगे नहीं कि सिक्योरिटी बिलकुल सही है।

राजधानी

चार लोगों को नया जीवन दे गई कंवराई देवी

जोधपुर एम्स में हुआ अंगदान, एक किडनी और हृदय प्रत्यारोपण जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में हुआ

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में अंगदान एवं प्रत्यारोपण के कार्य को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। शनिवार को प्रदेश में एक और अंगदान हुआ। एम्स जोधपुर में एक ब्रेन डेड मरीज के अंग दान किये गए।

जैतारण निवासी 46 वर्षीय कंवराई देवी गत 28 अगस्त को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गईं थी। उन्हें

- **जबकि एक किडनी एम्स जोधपुर में तथा लीवर को जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में मरीज को प्रत्यारोपित किया गया**

उपचार के लिए एम्स जोधपुर के आपातकालीन विभाग में लाया गया। चिकित्सा प्रयासों के बावजूद 30 अगस्त को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। अस्पताल प्रशासन की समझाइश के बाद साहस और करुणा का परिचय देते हुए कंवराई देवी के परिवार ने उनके अंगों को दान करने का निर्णय लिया। परिवार से लिखित सहमति प्राप्त होने के बाद अंगदान की प्रक्रिया शुरू की गई। संभावित प्राप्तकर्ताओं में प्रत्यारोपण के लिए दानकर्ता की किडनी, लीवर और हृदय को निकाला गया। एक किडनी एम्स जोधपुर को तथा दूसरी किडनी और हृदय एसएमएस अस्पताल जयपुर को तथा लीवर महात्मा गाँधी अस्पताल जयपुर को आवंटित किया गया।

अंगदान के बाद कंवराई देवी की पार्थिव देह को ससम्मान उनके परिजनों के सुपुर्द किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देशन में अंगदान एवं प्रत्यारोपण के इस मानवीय कार्य को मंजिल तक पहुंचाया गया। सिंह ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में अंगदान की मुहिम सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है और लोगों को नया जीवन मिल रहा है।

शुभ्रा सिंह ने बताया कि किडनी, लीवर और हृदय को पहले एम्स से जोधपुर एयरपोर्ट और फिर हवाई मार्ग से जयपुर भेजा गया। उसके बाद ग्रीन कॉरिडोर बनाकर किडनी और हृदय को जयपुर एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से एसएमएस जयपुर तथा लीवर को महात्मा गाँधी अस्पताल जयपुर भेजा गया।

एसएमएस अस्पताल में वरिष्ठ प्रोफेसर सीटीवीएस डॉ. राजकुमार यादव एवं उनकी टीम ने हृदय प्रत्यारोपण तथा डॉ. शिवम प्रियदर्शी तथा डॉ. नीरज गंगवाल ने किडनी प्रत्यारोपण कर दो लोगों को नया जीवन दिया। महात्मा गांधी अस्पताल में डॉ. नमिष एन मेहता ने लीवर प्रत्यारोपण किया। ऑर्गन रिट्रीवल प्रक्रिया को एम्स जोधपुर के ऑर्गन ट्रांसप्लांट टीम द्वारा कार्यकारी निदेशक प्रो. जीडी पुरी, ट्रांसप्लांट टीम के अध्यक्ष प्रो. एएस संधू, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीपक झा और ट्रांस्प्लांट प्रोग्राम के नोडल ऑफिसर डॉ शिव चरण नावरिया की देखरेख में सटीकता के साथ अंजाम दिया गया।

ऑर्गन रिट्रीवल प्रक्रिया के बाद शव को पूरे सम्मान और प्रतिष्ठा के साथ परिवार को सौंप दिया गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान परिवार को अपनी आध्यात्मिक मान्यताओं का पालन करने का अवसर दिया गया। कंवराई देवी के परिजनों के जीवनदान के निर्णय, चिकित्सा पेशेवरों के समर्पण, एसएमएस अस्पताल और एम्स प्रशासन सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से चार लोगों को जीवन का उपहार मिला।

चार आरोपियों की जमानत डीजे ने रद्द की

जयपुर। जिले के सत्र न्यायालय ने रायसर थाना इलाके में घर में घुसकर सरिया, कुल्हाड़ी व लाठियों से एक परिवार पर जानलेवा हमला और छेड़छाड़ से जुडे 4 आरोपियों को जमवारामगढ़ के न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से 15 जुलाई 2024 को दी गई जमानत आदेश रद्द कर दिया है।

सत्र न्यायाधीश अजीत कुमार हिंगर ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर आरोपियों को जमानत पर छोडने का आदेश दिया है। इस आदेश को विधि सम्मत नहीं कहा जा सकता। इसलिए मजिस्ट्रेट के आदेश को निरस्त कर आरोपियों को निर्देश दिए जाते हैं कि वह मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हो और मजिस्ट्रेट उन्हें पुलिस थाना रायसर में दर्ज केस में पुन: जेल में दाखिल कराए।

अदालत ने यह आदेश आरोपियों की जमानत रद्द करने के प्रार्थना पत्र पर दिए।

पेपर लीक मामले में 5 और ट्रेनी एस.आई. को एस.ओ.जी. ने हिरासत में लिया

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक मामले में एसओजी लगातार कार्रवाई कर रही है। इससे पेपर लीक के जरिए नकल कर थानेदार बने ट्रेनी थानेदारों में हड़कंप मचा हुआ है। एसओजी नकलची ट्रेनी थानेदारों को चुन-चुनकर शिकंजे में ले रही है। शनिवार को एसओजी ने आरपीए से पांच ट्रेनी एसआई को हिरासत में लिया है। एसओजी इन ट्रेनी एसआई से पूछताछ कर रही है। ट्रेनी एसआई में 3 पुरूष और दो महिला शामिल है। एसओजी ने आरपीएससी के पूर्व मेम्बर रामू राम राईका के बेटे व बेटी को भी पकड़ा है। दोनों ने एसआई भर्ती में अच्छी रैंक प्राप्त की थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसओजी की टीम आज सुबह करीब 11 बजे राजस्थान पुलिस अकादमी पहुंची और पूर्व की जांच के आधार पर वहां पर ट्रेनिंग कर रहे पांच एसआई को हिरासत में ले लिया। इनको एसओजी कार्यालय लाकर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद इनकों अरेस्ट किया जा सकता है।

- **अब तक 33 ट्रेनी एसआई और 17 नकल माफिया गिरफ्तार**

एसओजी सूत्रों ने बताया कि शनिवार को आरपीए से पांच ट्रेनी एसआई को हिरासत में लिया है। अब तक की जांच में मिले तथ्यों को लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। साक्ष्यों के मिलान के बाद आरोपियों को अरेस्ट किया जाएगा। हिरासत में लिए गए ट्रेनी एसआई में आरपीएससी के पूर्व मेम्बर रामू राम राईका का बेटा- बेटी भी शामिल है। एसओजी सूत्रों की मानें तो एसआईटी के गठन के बाद फरवरी-मार्च के महीने से एसआई पेपर लीक भर्ती परीक्षा में लिप्त नकलची थानेदारों और नकल माफिया की धरपकड करना शुरू कर दिया था जो कि लगातार जारी है। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में अब तक कुल 33 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार हो चुके हैं। इनमें एक की जमानत हो गई, बाकी जेल में हैं। इसके अलावा तीन ऐसे गिरफ्तार आरोपी हैं, जिन्होंने एसआई भर्ती में चयन के बावजूद सर्विस ज्वॉइन नहीं की। इनके अलावा जगदीश बिश्नोई, ओमप्रकाश ढाका, हर्षवर्धन सिंह और पौरव कालेर सहित 19 नकल माफियाओं को भी एसओजी गिरफ्तार कर चुकी है।

राष्ट्र निर्माण में बनें सहयोगी युवा : बागड़े

जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य की अगुवाई में स्काउट गाइड शिष्टमंडल ने राजस्थान के नव नियुक्त राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को संरक्षक बैज से अलंकृत करते हुए शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर राजस्थान भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने राज्यपाल को प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के संरक्षक बैज से अलंकृत किया। इससे पूर्व राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने स्मृति चिन्ह, राज्य आयुक्त डॉ. अखिल शुक्ला ने पुष्प गुच्छ व राज्य सचिव डॉक्टर पी.सी. जैन ने स्कार्फ पहना कर राज्यपाल का स्वागत व अभिनंदन किया। राज्यपाल बागडे ने स्काउटिंग द्वारा प्रदेश में किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा कर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की दिशा में अग्रसर करने और राष्ट्र को मजबूत बनाने में ऐसे ही सह-शैक्षिक संगठन की आवश्यकता है।

राजस्थान भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने राज्यपाल को प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के संरक्षक बैज से अलंकृत किया।

बागडे ने कहा कि देश की समृद्धि के लिए युवा युवतियों को राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनना होगा।

इस अवसर पर आर्य ने राज्यपाल को स्काउट गाइड संगठन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रदेश की अभिनव व नवीन गतिविधियों एवं प्रदेश के स्काउट एवं गाइड्स द्वारा सुगम मतदान, पर्यावरण चेतना, सघन वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत अभियान इत्यादि में किए जा रहे विशिष्ट कार्यों से अवगत कराया।

इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य, राज्य आयुक्त डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्ना लाल, सुयश लोढ़ा उपस्थित थे।

शोधार्थियों को कराया फील्ड विजिट

जयपुर (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय के व्यावसायिक प्रशासन विभाग में शोधार्थियों को शनिवार को रिसर्च फील्ड विजिट "जयपुर रग्स" के तरफ से मानपुरा माचेड़ी गांव में कराया गया। यहां 'रग्स' गांव के रहने वाले लोगों द्वारा तैयार किया जाता हैं और उसके बाद शोधार्थियों को मानसरोवर में फाउंडर से परिचय करवाया गया। साथ में विशेष सत्र और रग्स शो भी शोधार्थियों के लिए करवाया गया।

हिस्ट्रीशीटर को थाने में प्रताड़ित करने पर जवाब मांगा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने झोटवाडा थाने के हिस्ट्रीशीटर को पुलिस हिरासत के दौरान प्रताडित और अमानवीय कृत्य करने से जुड़े मामले में मुख्य सचिव, एसीएस होम, डीजीपी, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी पश्चिम और चित्रकूट थानाधिकारी से जवाब मांगा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश उजागर सिंह की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता मिथिलेश कुमार ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को गत दिनों पुलिसकर्मियों ने गिरफ्तार कर चित्रकूट थाने में रखा था। यहां उसे नग्न कर प्रताड़ित किया गया। इस दौरान उससे पुलिस से जुड़े और भविष्य में अपराध नहीं करने को लेकर नारे लगाए गए। वहीं इसका 17 सेकंड का वीडियो भी बनाया गया।

मुम्बई के माली समाज ने मुख्यमंत्री भजनलाल का स्वागत किया

- **मुख्यमंत्री ''राइज़िंग राजस्थान'' में प्रवासी राजस्थानियों को बड़ी संख्या में भागीदारी करने का आव्हान किया।**
- **मुख्यमंत्री ने कहा, विकसित राजस्थान का संकल्प साकार करने में प्रवासी राजस्थानियों की अहम् भूमिका है।**

मुंबई/जयपुर, 31 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और दुनिया में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों और कार्यों से राजस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान का संकल्प साकार करने में प्रवासी राजस्थानियों की भी अहम भूमिका है। शर्मा शनिवार को मुंबई में माली (सैनी) समाज द्वारा आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार प्रदेश में निवेश करने वाले निवेशकों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 'राइज़िंग राजस्थान' सम्मेलन में प्रवासी राजस्थानी भी अधिक से अधिक संख्या में भागीदार बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अंत्योदय की भावना निहित है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम सभी का कर्तव्य है कि जरूरतमंद को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करें और उन्हें केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाएं।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति एवं विकास के साथ समाज सेवा में भागीदारी निभाकर प्रदेश को गौरवान्वित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में मुंबई माली (सैनी) समाज के विभिन्न गणमान्यजन उपस्थित रहे।

8 सितम्बर....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की विदेश यात्रा के सफल रहने की उम्मीद करते हैं।

राहुल की यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव हो रहे हैं और डैमोक्रैटिक पार्टी की तरफ से जो बाइडन की जगह कमला हैरिस रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डॉनल्ड ट्रम्प को चुनौती दे रही है। मई 2023 में गांधी 6 दिन की यात्रा पर अमेरिका गए थे, तब उन्होंने 6 शहरों का दौरा किया था और एन.आर.आई. समुदाय, उद्योगपतियों व पत्रकारों से वार्ता की थी। इस दौरान वे भारतीय लोकतंत्र के भविष्य, बोलने की आज़ादी और सतत आर्थिक विकास पर अपना पक्ष रखा था।

कमला हैरिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करना है। ट्रम्प का समर्थन उनके वोट बैंक में कायम है। उनके 64 प्रतिशत मतदाता उनकी नीतियों की वजह से उनके साथ हैं। आर्थिक प्रबंध के मुद्दे पर ट्रम्प को पसंद किया जा रहा है पर गर्भपात संबंधी नीति के मुद्दे पर हैरिस को समर्थन 31 प्रतिशत से बढ़कर 47 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2022 में आए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। इस पोल में अमेरिका के 425 वयस्कों और 3562 रजिस्टर्ड वोटर्स ने भाग लिया था जो कि राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में भारी बदलाव है। निर्दलीय प्रत्याशी रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनिया ने 23 अगस्त को प्रचार समाप्त कर दिया था, उन्हें 6 प्रतिशत समर्थन मिला है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के अनुसार पद्मेश मिश्रा के पास वकालत करने का अधिक से अधिक पांच वर्ष का अनुभव है। याचिकाकर्ता के अनुसार राज्य सरकार ने वाद नीति में संशोधन केवल और केवल इसलिये किया है ताकि वह मनमाने तरीके से उपर वर्णित अधिवक्ता को अतिरिक्त महाधिवक्ता घोषित कर सके, जबकि क्लॉज़14.4' अभी भी लागू है। याचिकाकर्ता का कहना है राज्य सरकार ने जो नया संशोधन लागू किया है उससे ऐसा लगता है कि क्लॉज़ 14.4 निष्प्रभावी हो गया है जबकि उसे संशोधन उसे हटाया नहीं गया है। याचिका में कहा गया है कि वाद नीति, 2018 से पूर्व वाद नीति,2011 लागू थी, जिसमें भी 10 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले अधिवक्ता को भी अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर नियुक्त किया जा सकता था, परंतु 2018 में इस नीति में संशोधन किया गया कि अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद के लिये उम्मीदवार अधिवक्ता को हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव होना चाहिये।

याचिकाकर्ता का कहना है कि उपरोक्त वर्णित अधिवक्ता को 20 अगस्त को ही पैनल लॉयर नियुक्त किया गया था क्योंकि हो सकता है कि नियुक्ति के दिन तक उन्होंने पद को पाने के लिये आवश्यक पांच वर्ष का अनुभव अर्जित कर रखा था, परंतु हैरानी की बात है कि तीन दिन बाद ही कैबिनेट से मंजूरी प्राप्त करके वाद नीति में संशोधन किया गया और उसी दिन इन्हें अतिरिक्त महाधिवक्ता घोषित किया गया।

याचिकाकर्ता का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया मनमाने तरीके से अपनाई गई प्रक्रिया प्रतीत होती है क्योंकि संशोधन के बाद जोड़े गए 'क्लॉज़ 14.8' ऐसा कोई भी नियम नहीं दर्शाता, जिससे उम्मीदवार अधिवक्ता की वकालत के क्षेत्र में योग्यता निर्धारित की जा सके। याचिकाकर्ता का तो यह तक कहना है कि उपरोक्त वर्णित अतिरिक्त महाधिवक्ता को नियुक्त करने से पूर्व राज्य के महाधिवक्ता से ही सलाह नहीं ली गई थी, जो कि वाद नीति के 'क्लॉज़ 14.2' के अनुसार आवश्यक हैं। इसके अलावा वाद नीति के 'क्लॉज़ 14.5' और 'क्लॉज़ 14.7' में वर्णित छंटनी के लिये आवश्यक प्रक्रिया को दो दिन में पूरा नहीं किया जा सकता।

राहुल गांधी ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर जारी एक संदेश में कहा देश मे युवाओं के बीच बढ़ता आत्महत्या दर बहुत ही दुखद और चिंताजनक है। पिछले दशक में जबकि 0-24 आयु के बच्चों की जनसंख्या 58.20 करोड़ से घटकर 58.10 करोड़ हो गई, छात्र आत्महत्याओं की संख्या चौंकाने वाले रूप से 6,654 से बढ़कर 13,044 हो गई।

अजमेर में विमंदित युवती से पड़ौसी युवक ने दुष्कर्म किया

अजमेर, 31 अगस्त (कासं)। अजमेर के गंज थाना क्षेत्र में एक विमंदित युवती से पड़ौसी युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। संदिग्ध अवस्था में युवती के साथ मिलने पर लोगों ने युवकी की जमकर पिटाई कर दी और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्लॉक टावर थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि गंज थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि उसकी 20 वर्षीय मंदबुद्धि पुत्री लापता है। युवती की आस-पास के मौहल्ले में तलाश की गई।

जांच में सामने आया कि पड़ौस में रहने वाला युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। पास ही दोनों संदिग्ध हालत में मिले, जिसे देख क्षेत्रवासियों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने युवक की जमकर पिटाई कर दी।

मारपीट के बाद आरोपी युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। यह घटना अलसुबह तीन बजे की है, युवती के परिजन उसे घर में न पाकर आसपास के क्षेत्र में उसकी खोजबीन में जुट गये थे। एस.पी. देवेंद्र कुमार विश्नोई ने कहा कि समाज में ऐसी घटनाएं नैतिक पतन की ले जाने वाली होती है। उन्होंने गंज थाना प्रभारी के अवकाश पर होने के कारण मामले की जांच क्लॉक टावर थाना प्रभारी दिनेश कुमार को सौंपी है।

जोधपुर में एक और नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म

जोधपुर, 31 अगस्त (कास)। जोधपुर शहर में नाबालिग से दुष्कर्म की वारदात ने पूरे शहर में आक्रोश पैदा कर दिया है। जोधपुर के पूर्वी इलाके में घर लौट रही छात्रा के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म और मारपीट की। जोधपुर में बीते 18 दिनों में दुष्कर्म की यह पांचवीं घटना है।

अगस्त महीने में जोधपुर में दुष्कर्म के पांच केस सामने आ हो चुके हैं। कमिश्नरेट के जिला पूर्व के एक थाना क्षेत्र में दरिंदे ने 17 साल की किशोरी को दुष्कर्म का शिकार बनाया। किशोरी फॉर्म भरकर वापस लौट रही थी। रास्ते में दो युवक उसे बहला-फुसलाकर ले गए। एक कमरे में युवक ने रेप किया, जबकि अन्य युवक ने उसके साथ मारपीट की।

किशोरी ने घर जाकर अपने परिजनों को घटना बताई। इस पर परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और मामला दर्ज कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाई और दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक पीड़ित के परिजनों ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि किशोरी शुक्रवार को फॉर्म भरने गई थी। लौटते वक्त रास्ते में उसे दो युवक मिले। वे किशोरी को बाइक पर बैठाकर सुनसान जगह पर ले गए। वहां पर तीन युवक पहले से मौजूद थे। इनमें से एक युवक ने किशोरी से रेप किया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित के बयान दर्ज करवाकर उसका मेडिकल करवाया। डी.सी.पी. आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। अब पुलिस पीड़ित के मजिस्ट्रेट के सामने बयान करवाएगी।

राज्य मेला प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री रमेश बोराणा ने नगर में पिछले 18 दिन में 5 वीं बलात्कार की शर्मनाक घटना पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि देश विदेश में अपनी संस्कृति व सद्भाव के लिए जाने वाले जोधपुर के सुनहरे चेहरे पर सरकार व प्रशासन के नकारेपन ने कालिख पोत दी है जोधपुर शहर में भय व दहशत का माहौल है, विशेष रूप से बच्चियें व महिलायें आतंकित है। शहर में भादो मास के विभिन्न महिला भागीदारी के मेले-उत्सव दुष्कर्मियों के खौफ से प्रभावित हो रहे हैं।

बोराणा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार व पुलिस का इक़बाल ख़त्म हो गया है।

जन प्रतिनिधियों पर इन महिला अत्याचार की घटनाओं का कोई असर नहीं हो रहा है, न ही वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं। बोराणा ने कहा कि राज्य की भजनलाल सरकार अपनी निंद्रा तोड़े और प्रदेशवासियों को अपने व सरकार के होने का अहसास कराते हुए क़ानून व्यवस्था को प्रभावी करें, अन्यथा जनता अपनी सुरक्षा के लिए ख़ुद सड़कों पर उतर आई तो ज़िम्मेदार सरकार ही होगी।

साइबर फ्रॉड केस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने अदालत को बताया कि फरवरी 2022 में याचिकाकर्ता ने साइबर पुलिस थाने में उसकी सिम को स्वैप कर 60 लाख रुपए के साइबर फ्रॉड का केस दर्ज कराया था। मामले की जांच में पता चला कि उसकी रकम पश्चिम बंगाल व उड़ीसा के छोटे-छोटे खातों में जमा हुई और पूरा रुपया उसी दिन कैश करा लिया गया। पुलिस को अनुसंधान में आरोपियों के नाम भी पता चल गए हैं, लेकिन ना तो उनसे रुपए की रिकवरी हुई और ना ही उनकी गिरफ्तारी ही हुई।

मामले में पुलिस ने मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी को भी नोटिस दिया, लेकिन उसने दो साल में यह नहीं बताया कि उसने किसे सिम जारी की थी। ऐसे में याचिकाकर्ता की एफ.आई.आर. पर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए जाए।

प्र.मंत्री मोदी के स्वघोषित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकट हुये तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नई दिल्ली स्थित आवास पर उन्हें फूल भेंट करते हुये नज़र आये। इसके एक दिन बाद चिराग स्वयं भी गृहमंत्री से मिले तथा यह आशंका जताई कि भाजपा नेता उनके (चिराग) पर कतरने के लिये पारस का उपयोग कर सकते हैं। इस बीच, भाजपा विधायक मुकेश रोशन ने यह दावा करते हुये बिहार के राजनैतिक माहौल में खलबली पैदा कर दी कि एल.जे.पी. (आर.वी.) के पाँच में से तीन सांसद भाजपा में शामिल होने वाले हैं।

सर्वविदित है कि चिराग अब भी कहते हैं कि "धरती की कोई भी ताकत प्रधानमंत्री मोदी से उनकी नज़दीकी को प्रभावित नहीं कर सकती।" लेकिन 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों तक के महीनों में राजनैतिक हवाएं जिस दिशा में बहेंगी, उसको लेकर वे चिन्तित भी दिखाई दे रहे हैं। चिराग की उलझनों की इस स्थिति के कुछ संकेत उनके हाल ही के बयानों के जरिये सामने आये हैं। जब एक इन्टरव्यू में उनसे पूछा गया कि वे अपने चाचा पारस तथा आर.जे.डी. नेता तेजस्वी यादव में से किसका चयन करना चाहेंगे, तो वे तेजस्वी यादव के बारे में प्रशंसा एवं सम्मान के लहजे में बोले। जहाँ तक झारखंड विधानसभा चुनावों का प्रश्न है, चिराग घोषणा कर चुके हैं कि उनकी पार्टी अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी, भले ही उन्होंने यह जोड़ दिया हो कि "बेहतर यह होगा कि भाजपा के साथ कोई चुनाव-पूर्व समझौता हो जाये।" हाल ही के दिनों में वे उस व्यथा को भी अभिव्यक्त कर रहे हैं, जो उन्हें उस समय महसूस हुई थी, जब उनके पिता राम विलास पासवान की मृत्यु के बाद, भाजपा ने उन्हें असहाय स्थिति में छोड़कर, उनके चाचा पारस को अपनाया था। अभी हाल ही एक ट्वीट में चिराग ने कहा, "जब मेरे अपने खून ने ही मेरी पीठ में छुरा भोंक दिया, तो मैं बाहर के लोगों की शिकायत क्या करूँ।"

यू.डी.एच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने 6 सितंबर 2023 को जांच अधिकारी को बदलने का निर्देश देते हुए याचिकाकर्ता को सुनवाई का पूरा मौका देने के लिए कहा था।

वहीं जांच छह महीने में पूरी नहीं होने की स्थिति में उसके प्रतिवेदन दिए जाने पर बहाल करने पर विचार करने का निर्देश दिया था।

हाईकोर्ट के आदेश के पालन में डी.एल.बी. निदेशक ने 26 फरवरी 2024 को याचिकाकर्ता को बहाल करने की सिफारिश की। वहीं याचिकाकर्ता ने 29 फरवरी 2024 को यू.डी.एच. विभाग में अपना प्रतिवेदन दिया, लेकिन प्रमुख यू.डी.एच. सचिव ने डिस्कस करने के नाम पर उसके प्रतिवेदन पर पांच महीनों में भी कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि सी.एस. कह चुके हैं कि डिस्कस के नाम पर किसी भी फाइल को नहीं रोका जाएगा।

चेन्नई के हॉस्टल में रेड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीज किए गए इन ड्रग्स को मराईमलाई नगर पुलिस स्टेशन में रखा गया है। वहीं, तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एक छात्रा ने वाई-फाई तकनीशियन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इसे लेकर सैकड़ों छात्रों ने शुक्रवार को धरना दिया।

छात्रा के साथ यह घटना तब हुई, जब शहर के बाहरी इलाके थुवाकुडी में परिसर के अंदर महिला छात्रावास के कमरे में अकेली थी।

छात्रों के अनुसार, कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर कार्यरत तकनीशियन की पहचान जी. कथिरेसन के रूप में हुई, जो गुरुवार सुबह वाई-फाई राउटर को ठीक करने के लिए पीड़िता के कमरे में गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, तकनीशियन ने कथित तौर पर छात्रा के सामने कुछ इशारे किए।

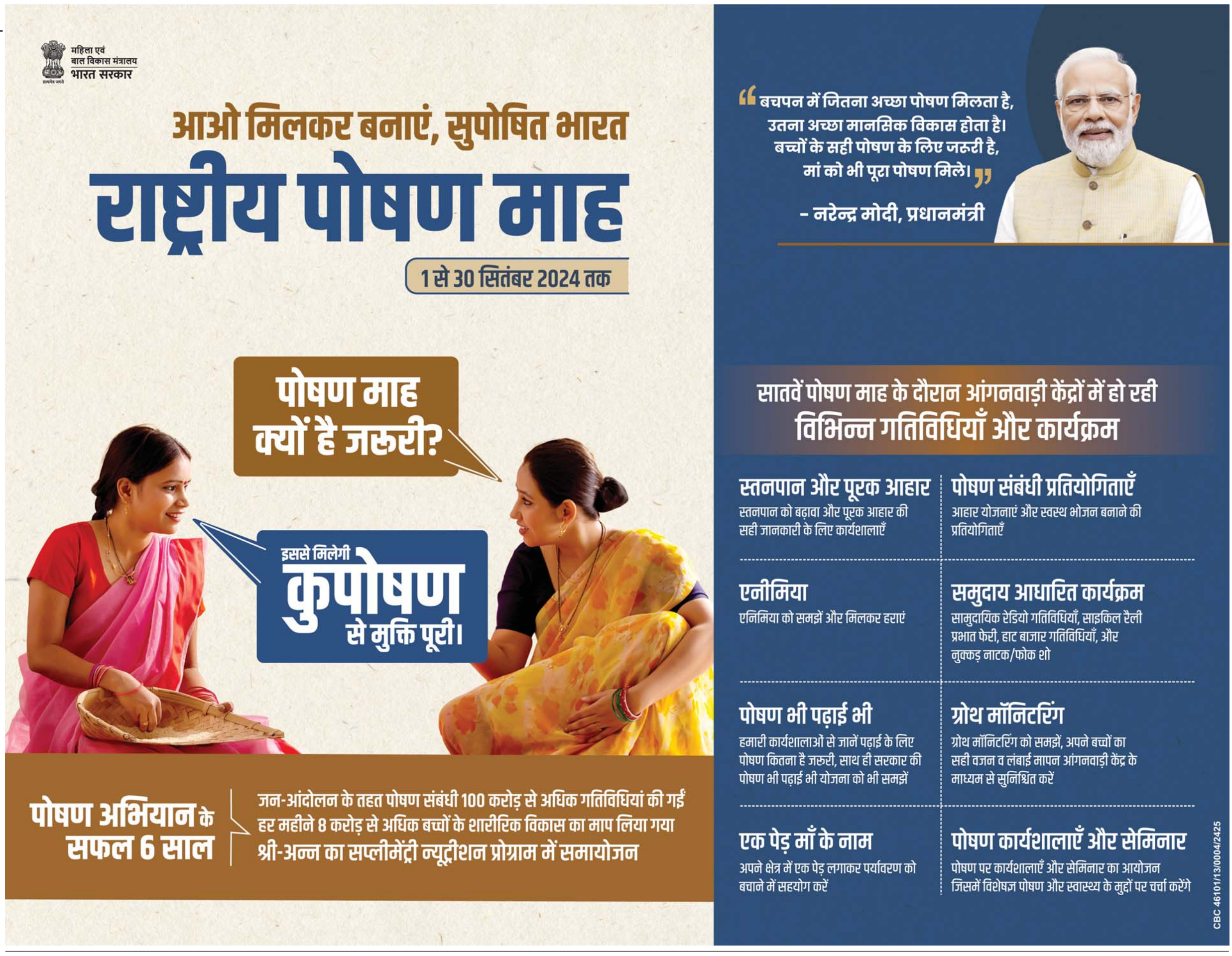

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908